वर्ष : 16 ❖ अंक : 324 ❖ पृष्ठ : 08 ❖ मूल्य : ₹ 3.00 ❖ आरएनआई सं. SIKHIN/2006/17890 ❖ www.anugamini.com

सिक्किम से प्रकाशित प्रथम हिन्दी दैनिक

अनुगामिनी

गंगटोक
गुरुवार, 07 जुलाई 2022

मीडिया ने निभाई सकारात्मक भूमिका : पीएम मोदी 3

मार्च 2023 तक पूरा हो जाएगा ६ लेन सुरंग का निर्माण : गडकरी 8

दलाई लामा एकता का उपदेश देते हैं : सीएम गोले

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 06 जुलाई । सिक्किम ने गंगटोक में दो अलग-अलग जगहों पर तिब्बती आध्यात्मिक गुरु दलाई लामा का 87वां जन्मदिन मनाया। मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) चांदमारी में सेरा जे मठ में के कार्यक्रम में शामिल हुए। वहीं दूसरी ओर नामग्याल इंस्टीट्यूट आफ तिबटेलाजी परिसर में 200 औषधीय पौधे लगाकर क्राउन प्रिंस तोबग्याल वांग्चुक की उपस्थिति में उनका जन्मदिन मनाया।

समारोह में मुख्यमंत्री, कैबिनेट मंत्री और विभिन्न मठों के प्रमुख बौद्ध आध्यात्मिक नेताओं जैसे रिंपोछो आदि ने भाग लिया। एनआईटी में समारोह में एनआईटी सचिव टीडब्ल्यू रिनजिंग के साथ-साथ एनआईटी के छात्रों और संकाय उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) ने इस अवसर पर कहा कि दलाई लामा एकता का उपदेश देते हैं और हम देखते हैं कि सिक्किम में तिब्बती समुदाय ने उस एकता का उदाहरण दिया है। उन्होंने कहा कि 2019 में, मैं दलाई लामा से मिला। यह एक वरदान था। हमने दलाई लामा को सिक्किम लाने की कोशिश की है, लेकिन हम 2019-20 में दो मौकों पर महामारी के कारण उन्हें यहां लाने में असफल रहे। हम निर्वासित तिब्बती सरकार को उनकी सिक्किम यात्रा के लिए लिखना जारी रखेंगे।

दलाई लामा की पिछली यात्रा पर प्रकाश डालते हुए, सीएम गोले ने कहा कि 1996-97 में, जब मैं धर्म विभाग का मंत्री था, तो सिक्किम सरकार के वित्तीय सहयोग से सिलीगुड़ी में आयोजित कालचक्र पूजा में दलाई लामा ने भाग लिया था।

सिक्किम में तिब्बती समुदाय से बात करते हुए गोले ने कहा कि सिक्किम हमेशा तिब्बती समुदाय को समर्थन देने के लिए तैयार है। सिक्किम में विभिन्न समुदाय और धर्म फल-फूल रहे हैं। सरकार बनाने के बाद से हमने लोगों के बीच सांप्रदायिक विभाजन को रोकने की कोशिश की है।

उन्होंने कहा कि हमारी सरकार हर धर्म और समुदाय का स्वागत करती है। अपनी परंपराओं और प्रथाओं के साथ जीवित रहना सीखना चाहिए। सरकार लोगों को

इसे महसूस करने के लिए प्रेरित करने की कोशिश कर रही है, ताकि समुदायों के लिए स्वदेशी परंपराएं खो न जाएं।

तिब्बती समुदाय के एक सामुदायिक हॉल की मांग पर सीएम गोले ने कहा कि सामुदायिक हॉल का निर्माण अनुपूरक बजट में होगा, और धन आवंटित किया जाएगा। लेकिन रखरखाव की जिम्मेदारी लोगों की होगी। सामुदायिक भवन को चानमारी क्षेत्र के सभी लोगों के काम आना चाहिए।

सीएम गोले ने अनुष्ठानों की तुलना में अधिक पारंपरिक शिक्षा और शिक्षण पर जोर दिया, उन्होंने कहा कि परंपराओं से अधिक, दलाई लामा और सामूहिक रूप से बौद्ध धर्म की शिक्षा का प्रचार किया जाना चाहिए। अनुष्ठान मदद करते हैं, लेकिन परंपराओं की शिक्षा समुदाय की अधिक मदद करेगी।

नामग्याल इंस्टीट्यूट ऑफ तिब्बतोलॉजी के सचिव टीडब्ल्यू रिनजिंग ने बताया कि दलाई लामा के दृष्टिकोण के कारण ही 1957 में सिक्किम में एनआईटी की स्थापना हुई। उन्होंने कहा कि परम पावन 14वें दलाई लामा एक पर्यावरणविद् भी हैं, जिन्होंने पर्यावरण पर कई किताबें लिखी हैं। हमारे संस्थान एनआईटी के साथ उनका बहुत करीबी संबंध है। उनके मार्गदर्शन में ही 1957 में एनआईटी की स्थापना हुई थी। साथ ही, तिब्बती चिकित्सा महाविद्यालय सोवा रिग्पा को उनकी रुचि दिखाने के बाद चलाया जा रहा है। उनके द्वारा सभी विशेषज्ञ शिक्षकों को धर्मशाला से भेजा जाता है। छात्र सिक्किम के हैं, लेकिन पेशेवर शिक्षकों की कमी के कारण उन्हें छह महीने से एक साल के लिए धर्मशाला से भेजा जाता है।

भाषा व संस्कृति का संबंध ही अमर रहता है : चामलिंग

पवन चामलिंग डॉ. डिल्लीरमण रेग्मी अंतरराष्ट्रीय शांति पुरस्कार से सम्मानित

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 06 जुलाई । आज काठमांडू के नेपाल प्रज्ञा प्रतिष्ठान के सिद्धिचरण सभाकक्ष में सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रण्ट (एसडीएफ) अध्यक्ष तथा पूर्व मुख्यमन्त्री पवन चामलिंग को डा. डिल्लीरमण रेग्मी अंतरराष्ट्रीय शान्ति पुरस्कार प्रदान किया गया। नेपाल सरकार के शिक्षा विज्ञान तथा प्रविधि मन्त्रालय के अन्तर्गत डिल्लीरमण कल्याणकारी रेग्मी पुस्तकालय विकास समिति द्वारा आयोजित आज के सम्मान कार्यक्रमम में शिक्षा मन्त्री देवेन्द्र पौड्याल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। शिक्षा मन्त्री पौड्याल के हाथों बुद्ध की प्रतिमा, शाल और स्मृति चिह्न प्रदान कर पवन चामलिंग को सम्मानित किया गया। आज के सम्मान कार्यक्रम में डा. डिल्लीरमण राष्ट्रीय शान्ति पुरस्कार डा. अनोजा गुरुमा भी सम्मानित हुईं।

सम्मान कार्यक्रम में पवन चामलिंग ने उन्हें डा. डिल्लीरमण अंतरराष्ट्रीय शान्ति पुरस्कार के लिए उन्हें चुने जाने पर आयोजक समिति के प्रति आभार व्यक्त किया। अपने मन्तव्य में उन्होंने कहा कि हामी जहां भी रहें हमें भाषा और संस्कृतिक रूप से एक हैं। भाषा और संस्कृति का संबंध ही अमर रहता है और यह संबंध नेपाली जाति को हमेशा अजर-अमर रखेगा।

उन्होंने नेपाली समाज अपनी भाषा और संस्कृति को कैसे समृद्ध कर सकेगा इस विषय पर भी अपने सुझाव दिए। पवन चामलिंग ने कहा कि आज जहां भी हम रहें, राष्ट्रीयता भिन्न होने के बावजूद भाषा और

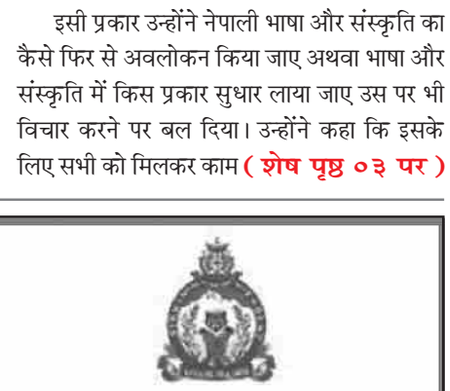

संस्कृति हमारी एक ही रहेगी। भाषा और संस्कृति ही नेपाली जाति को विश्व में अन्य विकसित जाति के समान बनाएगा या हमारी पहचान को विश्व में स्थापित करेगा। लेकिन आज भाषा और संस्कृति जैसे विषय को महत्त्व देना हमने छोड दिया है। आधुनिकीकरण के नाम पर हम अपनी भाषा और संस्कृति की अवहेलना कर रहे है औ इस पर सभी को चिंतन करना चाहिए।

इसी प्रकार उन्होंने नेपाली भाषा और संस्कृति का कैसे फिर से अवलोकन किया जाए अथवा भाषा और संस्कृति में किस प्रकार सुधार लाया जाए उस पर भी विचार करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि इसके लिए सभी को मिलकर काम (शेष पृष्ठ ०३ पर)

सिक्किम व पश्चिम बंगाल नए परिवहन समझौता के लिए सहमत

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 06 जुलाई । सिक्किम और पश्चिम बंगाल ने 2007 के मौजूदा समझौते की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए एक नए पारस्परिक परिवहन समझौते (2022) के लिए सैद्धांतिक रूप से सहमति व्यक्त की है। इसमें 15 साल बाद पश्चिम बंगाल और सिक्किम दोनों राज्यों के ट्रांसपोर्टरों की मांगों को पूरा किया गया है।

नए पारस्परिक परिवहन समझौते (2022) में सिक्किम में केवल गंगटोक, नामची और पेलिंग और पश्चिम बंगाल में कलिम्पोंग, दार्जिलिंग और सिलीगुड़ी के लिए पहले से सहमत परमिट के खिलाफ 'ऑल बंगाल' और 'ऑल सिक्किम' परमिट शामिल होंगे, जिससे ट्रांसपोर्टरों को परेशानी होती थी। नए समझौते के तहत प्रतिबंधित और संरक्षित क्षेत्रों को छोड़कर एक 'ऑल बंगाल परमिट' और 'ऑल सिक्किम परमिट' जारी किया जाएगा,

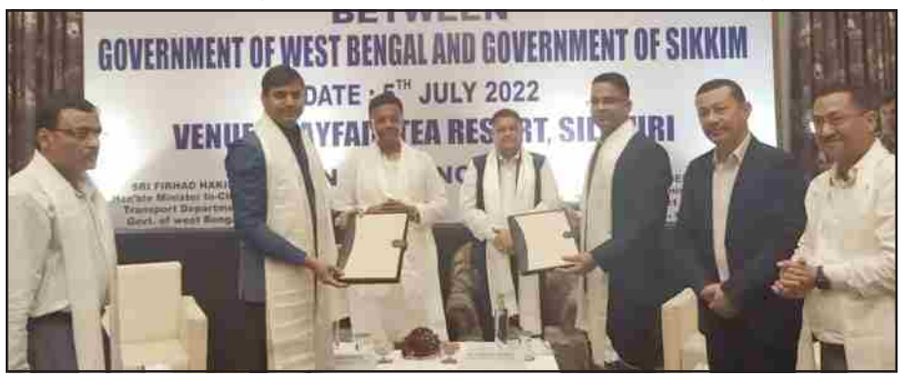

जिससे दोनों राज्यों के ट्रांसपोर्टरों की समस्याओं का समाधान होगा।

मंगलवार को सुकना में हुई समीक्षा बैठक में भी चर्चा के अनुसार दोनों राज्यों के स्थानीय टूर आपरेटरों द्वारा स्थानीय दर्शनीय स्थलों का भ्रमण कराया जाएगा जिसकी सुविधा पहले भी से थी।

माल ढुलाई के लिए पहले के समझौते में दार्जिलिंग जिले, जलपाईगुड़ी जिले और ऑल बंगाल परमिट के लिए अलग-अलग कोटा तय किया गया था। इसके अलावा, सिक्किम ट्रांसपोर्टरों को दार्जिलिंग जिले के साथ-साथ जलपाईगुड़ी जिले दोनों से दो काउंटर सिग्रेचर परमिट प्राप्त करने थे। सिलीगुड़ी जहां दार्जिलिंग जिले के अंतर्गत आता है, वहीं इसका एक हिस्सा जलपाईगुड़ी जिले के अंतर्गत भी आता है।

सिक्किम के परिवहन संघों ने सभी कोटा को मर्ज करने के लिए कई अभ्यावेदन प्रस्तुत किए थे और सिलीगुड़ी में एसटीए कार्यालय के एक ही बिंदु से परमिट जारी किए थे।

अब नए समझौते में सिलीगुड़ी में राज्य परिवहन प्राधिकरण के सिंगल प्वाइंट कार्यालय से सभी काउंटर सिग्रेचर परमिट जारी किए जाएंगे और ट्रांसपोर्टरों को अलग से दार्जिलिंग और जलपाईगुड़ी नहीं जाना होगा। दक्षिण सिक्किम में गंगटोक और जोरथांग के बीच चलने वाले वाणिज्यिक वाहन पश्चिम बंगाल में पड़ने वाले मार्ग के एक हिस्से से गुजरते हैं। रंगपो और मेली (शेष पृष्ठ ०३ पर)

मत्स्य पालन निदेशालय के अंतर्गत जिलास्तरीय समिति गठन के लिए बैठक आयोजित

अनुगामिनी नि.सं.

सोरेंग, 06 जुलाई । मत्स्य पालन निदेशालय के अंतर्गत जिला स्तरीय समिति गठित करने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री मत्स्य संपद योजना के तहत समिति सदस्यों की बैठक जिला कलेक्टर कार्यालय में संपन्न हुई। इसमें जिला वार्षिक कार्य योजना पर भी चर्चा की गई।

बैठक की अध्यक्षता जिलाधिकारी (सोरेंग) सह अध्यक्ष समिति के अध्यक्ष श्री भीम ठटाल ने की, जिनके साथ श्री लोपसांग तमांग, उप निदेशक (मत्स्य पालन/पश्चिम), श्री प्रणय गुरुंग, संयुक्त निदेशक (कृषि/सोरेंग), श्री दिलीप शर्मा, उपस्थित थे। डीपीओ (जिला/सोरेंग), डॉ. लक्की डोमा भूटिया, एसएमएस (पशु विज्ञान/पश्चिम), श्री गोपाल लामा, मुख्य प्रबंधक (लीड बैंक/एसबीआई), लाइन विभाग के अधिकारी और एक सदस्य प्रतिनिधि/किसान श्रीबादम रेनबो ट्राउट रीयरिंग कोऑपरेटिव सोसाइटी के संदुप भूटिया उपस्थित थे।

श्री ठटाल ने योजना पर चर्चा करते हुए उन कारकों के बारे में जानकारी ली जो लाभार्थियों के लिए अनुकूल और सहायक हो सकते हैं। उन्होंने कुछ मुद्दों पर भी प्रकाश डाला जो लाभार्थियों के लिए बाधा उत्पन्न कर सकते हैं और उन्हें योजना के कुछ घटकों पर कुछ संभावित छूट जोड़ने का सुझाव दिया। इसके अलावा, उन्होंने कुछ कदमों की सलाह दी जो विभाग लोगों के बीच योजना के संबंध में बेहतर पहुंच और जागरुकता के लिए उठा सकता है।

इसके अलावा, श्री ठटाल ने प्रगतिशील किसानों की अवधारणा और व्यवसाय संतृप्ति से बचने के तरीकों पर भी अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने मछुआरों को विज्ञापन और विपणन उद्देश्यों के लिए एक

वेबसाइट बनाने का सुझाव दिया। उन्होंने उनसे उद्यमिता के माध्यम से आत्मनिर्भर होने के सकारात्मक और लाभप्रद पहलू को संप्रेषित करने का भी आग्रह किया। इसके अलावा उन्होंने राज्य में मछली पालन के सफल व्यवसाय के लिए किसानों की कड़ी मेहनत और समर्पण की सराहना की।

ड्यूचेन लेख्चा, एडी (मत्स्य पालन/पश्चिम) ने पीएमएमएसवाई योजना पर एक गहन प्रस्तुति दी, जिसमें प्रत्येक समिति के सदस्य की भूमिकाओं और जिम्मेदारियों के बारे में विस्तार से बताया गया। उन्होंने बताया कि पीएमएमएस योजना भारत सरकार द्वारा एक व्यापक ढांचा स्थापित करने और मत्स्य पालन क्षेत्र में ढांचागत अंतराल को कम करने के लिए शुरू की गई एक पहल है। उन्होंने उन सभी लाभकारी कारकों के बारे में बताया जो लाभार्थी योजना के तहत प्राप्त कर सकते हैं।

उन्होंने लाभार्थी उन्मुख योजनाओं की भी गणना की जो विशेष रूप से सिक्किम जैसे पूर्वोत्तर और हिमालयी राज्यों के लिए तैयार की गई हैं। उन्होंने कहा कि यह योजना उक्त (शेष पृष्ठ ०३ पर)

सिक्किम सरकार

वन अनि पर्यावरण विभाग

पृथ्वी माताको लागि एकदिन

७ जुलाई, २०२२

प्राकृतिको उत्सव मनाउँदै

हामी सबै आ-आफ्नो तहबाट आसपासमा भएको
हाम्रो सम्पन्न प्रकृतिको संरक्षण अनि सुरक्षा गरौं।

A DAY FOR Mother Earth

सिक्किमलाई साफ-सुग्धर र हरियाली बनाइराख्न हामी सबै एकजुट बनौं।

- बिहीवार ७ जुलाई २०२२ को दिन बिहान ११ बजीदेखि ११-०७ सम्म ७ (सात) मिनटका लागि आफ्नो वाहन रोकौं। आपतकालीन सेवा अनि अन्य आवश्यक सेवाबाहेक सबै वाहनहरू रोकौं।
- आफ्नो वरिपरि बिरूवा रोपौं।
- झोड़ा र नाला सफा राखौं। फोहोर मैला नडरौं।
- प्लास्टिकको प्रयोग बन्द गरौं।
- Reduce, Re-use and Re-cycle को अभ्यास गरौं।
- पर्या-मैत्री जीवनशैली अपनाऊ अनि कम कार्बन उत्सर्जन गरौं।
- हाम्रो प्रकृतिक संसाधनहरूलाई कुशलतापूर्वक प्रबन्धन गरौं।

वन अनि पर्यावरण विभाग
सिक्किम सरकारद्वारा जनहितमा जारी

R.O. No.: 108/IPR/PUB/DIS/22-23, DT.: 04.07.2022

18 साल से ऊपर के लोगों के लिए एहतियाती खुराक पर अहम फैसला, अंतराल 9 महीने से घटाकर 6 महीने किया गया

नई दिल्ली, 06 जुलाई (एजेन्सी)। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने 18 साल से ऊपर के लोगों के लिए कोविड-19 एहतियाती खुराक को लेकर अहम फैसला लिया है। मंत्रालय ने खुराक के अंतर को मौजूदा 9 महीने से घटाकर 6 महीने कर दिया है। 18 साल के ऊपर उम्र के लोग अब वैक्सीन का दूसरा डोज लगने के 6 महीने बाद एहतियाती डोज लगवा सकेंगे। इस संबंध में स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने पत्र भी जारी किया है।

राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों को बुधवार को लिखे पत्र में केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने कहा कि राष्ट्रीय टीकाकरण तकनीकी सलाहकार समूह (एनटीएजीआई) की स्थायी तकनीकी उपसमिति की सिफारिश पर यह बदलाव किया गया है और उपसमिति भी सामने आ रहे वैज्ञानिक साक्ष्य एवं वैश्विक पद्धति को ध्यान में रखकर इस निष्कर्ष पर पहुंची है।

भूषण ने कहा कि इस सिफारिश पर एनटीएजीआई भी मुहर लगा चुका है। इसलिए अब यह फैसला किया गया है कि 18 से 59 साल तक की उम्र के सभी लाभार्थियों को दूसरी खुराक के छह माह या 26 सप्ताह के पूरा हो जाने पर निजी कोविड टीकाकरण केंद्रों पर एहतियाती खुराक दी जाएगी। स्वास्थ्य सचिव ने कहा कि 60 साल से अधिक उम्र के लाभार्थियों तथा स्वास्थ्यकर्मियों व अग्रिम मोर्चा कर्मियों के लिए दूसरी खुराक के छह माह या 26 सप्ताह पूरा हो जाने पर एहतियाती खुराक मुफ्त सरकारी कोविड टीकाकरण केंद्रों पर दी जाएगी।

उन्होंने कहा कि इस संबंध में सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश जारी किये जाएं और इसका व्यापक रूप से प्रचार किया जाए। उन्होंने सभी राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों एवं प्रशासकों को लिखी इस चिट्ठी में कहा कि हर घर दस्तक दूसरा अभियान के दौरान कोविड टीकाकरण केंद्रों व घरों में सभी पात्र लाभार्थियों को एहतियाती खुराक का लाभ पहुंचाने में मैं आपके सहयोग व नेतृत्व को लेकर आशावान हूं।

देश में बीते दिन कोरोना के 16,159 नए मामले आए। इस दौरान 28 और संक्रमितों की जान भी गई। फिलहाल देश में कोविड-19 से स्वस्थ होने की राष्ट्रीय दर 98.53 फीसदी है।

बीते 24 घंटे में कोरोना से 737 मरीज ठीक हुए हैं। देशव्यापी कोरोना रोधी टीकाकरण अभियान के तहत अभी तक 198.20 करोड़ खुराकें दी जा चुकी हैं।

स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, देश में जिन 28 और मरीजों ने जान गंवाई है, उनमें से छह-छह मरीजों की मौत केरल और महाराष्ट्र में हुई। दिल्ली तथा पश्चिम बंगाल में तीन-तीन मरीजों की मौत हुई जबकि गोवा और कर्नाटक में दो-दो तथा हरियाणा, मध्य प्रदेश, पंजाब, राजस्थान, तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश में एक-एक मरीज की मौत हुई।

देश में सात अगस्त 2020 को संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त 2020 को 30 लाख और पांच सितंबर 2020 को 40 लाख से अधिक हो गई थी। संक्रमण के कुल मामले 16 सितंबर 2020 को 50 लाख, 28 सितंबर 2020 को 60 लाख, 11 अक्टूबर 2020 को 70 लाख, 29 अक्टूबर 2020 को 80 लाख और 20 नवंबर को 90 लाख के पार चले गए थे।

देश में 19 दिसंबर 2020 को ये मामले एक करोड़ से अधिक हो गए थे। पिछले साल चार मई को संक्रमितों की संख्या दो करोड़ और 23 जून 2021 को तीन करोड़ के पार पहुंच गई थी। इस साल 25 जनवरी को मामले चार करोड़ के पार हो गए थे।

'ड्राई टेस्ट' गुजरात में खुलेआम बह रही शराब, प्रतिबंध हटाने की मांग

गांधीनगर, 06 जुलाई (एजेन्सी)। गुजरात एक 'ड्राई स्टेट' है और इसलिए यहां शराब पर कड़े प्रतिबंध हैं। शराब के उत्पादन से लेकर इसके सेवन पर प्रतिबंध के बावजूद गुजरात में आए दिन शराब पार्टी की घटनाएं देखने को मिलती रहती हैं।

जून माह में भेसन ग्राम (जिला जूनागढ़-सौराष्ट्र) के सरपंच ने घोषणा की थी कि यदि कोई नशा करता हुआ पकड़ा गया तो ग्राम पंचायत द्वारा दंडित किया जायेगा।

अपने इस फैसले को सही ठहराते हुए सरपंच जयसिंह भाटी ने कहा था कि गांव में शराब की समस्या बढ़ गई है, शराब के कारण 15 से 20 महिलाएं विधवा हो गई हैं, क्योंकि पिछले दो वर्षों में उनके पति की मौत नशे की वजह से हुई है।

रविवार रात वलसाड पुलिस ने धर्मपुर में पार्टी कर रहे भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर लिया था। एक दिन बाद सोमवार को पुलिस ने लुनवाड़ा के पूर्व विधायक हीराभाई पटेल के बेटे महर्षि को 39 बोतल आईएमएफएल और बीयर के साथ गिरफ्तार किया। हीराभाई हाल ही में बीजेपी में शामिल हुए हैं।

ये उदाहरण सिर्फ एक हिमखंड का सिरा (मुद्दा जितना दिख रहा है, उससे भी कहीं बड़ा है) है, जो यह दर्शाता है कि गुजरात में कैसे खुलेआम शराब बह रही है, जहां महात्मा गांधी के नाम पर शराबबंदी लागू की गई है।

जिस तरह से शराब से जुड़ी घटनाएं आए दिन सामने आ रही हैं, उसे देखते हुए कहा जा सकता है कि सरकार और पुलिस इस नीति और निर्धारित नियमों को लागू कराने के लिए गंभीर नहीं हैं।

विख्यात गांधीवादी उत्तमभाई परमार ने इस मुद्दे पर बात करते हुए कहा, 'गांधीजी कभी भी कानून द्वारा शराबबंदी लागू करने में विश्वास नहीं करते थे, क्योंकि उन्होंने इसे सामाजिक-आर्थिक मुद्दे के रूप में देखा था, न कि कानून एक आदेश के मुद्दे के रूप में। उन्हें पता था कि महिलाएं पुरुषों की शराब की लत से पीड़ित हैं, इसलिए उन्होंने महिलाओं को शराब के ठिकाने पर धरना देने के लिए प्रोत्साहित किया, जो सफल रहा, मगर धरने का सही अर्थ कभी नहीं समझा गया।'

परमार ने आरोप लगाया कि पुलिस को शराब के ठिकाने पर छापेमारी और तलाशी लेने या अवैध निर्माण के लिए सशक्त बनाने से स्थिति और खराब हो गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि वे शराबबंदी को लागू करने में कम से कम रुचि रखते हैं, इसके विपरीत वे अवैध धंधे से जुड़े लोगों को व्यवसाय जारी रखने के लिए प्रोत्साहित करते हैं और उन्हें इसके लिए मोटी रिश्वत देने की धमकी भी देते हैं।

कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता अर्जुन मोढवाडिया ने सवाल दागते हुए कहा, 'जानबूझकर नीति को शिथिल रूप से लागू किया गया है, क्योंकि खामियों के साथ एक समानांतर अर्थव्यवस्था बना ली गई है। पुलिस विभाग के निचले हिस्से से लेकर राजनेताओं सहित शीर्ष अधिकारी बहुत पैसा कमा रहे हैं, तो वे इसे सख्ती से क्यों लागू करेंगे?'

परमार और मोढवाडिया शराबबंदी के खिलाफ हैं और दोनों का ऑढ़ विश्वास है कि केवल नाम मात्र के लिए ही शराबबंदी लागू की गई है और इसका जमीनी स्तर पर कोई असर देखने को नहीं मिलता है।

अनुभवी राजनेता शंकरसिंह वाघेला ने इस मुद्दे पर बात करते हुए कहा, 'सरकार को यह तय करने का कोई अधिकार नहीं है कि लोग क्या खाएं, क्या पिएं या क्या पहनें।'

उन्होंने सवाल करते हुए कहा, 'क्या गांधीजी केवल गुजरात के थे? वह एक अंतरराष्ट्रीय प्रतीक और प्रभावशाली व्यक्ति रहे हैं, तो केवल गुजरात में ही शराबबंदी क्यों? जब राजस्थान, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और केंद्र शासित प्रदेश दादरा नगर हवेली और दीव-दमन जैसे पड़ोसी राज्यों में शराब प्रतिबंधित नहीं है, तो गुजरात में शराबबंदी को सख्ती से लागू करना असंभव है।'

वाघेला ने जोरदार वकालत करते हुए कहा, 'विधान सभा के बहुमत सदस्यों को प्रतिबंध हटाने का प्रस्ताव पारित करना चाहिए।'

उन्होंने प्रस्ताव दिया कि सरकार शिक्षित आदिवासी युवकों को महुदा से शराब बनाने का लाइसेंस दे, उसी तरह सौराष्ट्र कोली समुदाय में शराब बनाने के लिए लाइसेंस दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस तरह से शराब को महुदा, चावल, गुड़ के लेबल के साथ बेचा जा सकता है और इससे युवा आत्मनिर्भर भी बनेंगे।

वाघेला का तर्क है कि उन राज्यों में भी महिलाएं सुरक्षित हैं जहां शराबबंदी नहीं है, गुजरात में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर एक मिथक फैलाया जाता है, इसके विपरीत राज्य में अधिक लोग अवैध तरीके से निर्मित जहरीली शराब पीने से मर रहे हैं।

आईएएनएस ने जब गृह और निषेध राज्य मंत्री हर्ष संघवी से संपर्क किया, तो उनके कार्यालय ने इस पर बाद में जवाब देने का आश्वासन दिया, लेकिन जब तक यह रिपोर्ट लिखी गई, तब तक उनसे या उनके कार्यालय से कोई संचार नहीं हो सका।

कोल वाशरी और डिपो में रेड, 4 विभागों का ज्वाइंट ऑपरेशन

रायपुर, 06 जुलाई (एजेन्सी)। आईटी की रेड के बाद छत्तीसगढ़ सरकार भी एक्शन में आ गई है। प्रदेश सरकार ने कोल माफियाओं पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। 4 विभागों के अधिकारियों की संयुक्त टीम ने राज्यभर में छापेमारी की है। कोल वाशरी और कोल डिपो पर अचानक टीम ने दबिश देकर हड़कंप मचा दिया। लगातार मिल रही शिकायतों पर यह राज्य शासन ने एक्शन लिया गया है। ज्वाइंट टीम की रायगढ़, बिलासपुर, कोरबा और जांजगीर-चांपा में छापेमारी की जमकर चर्चा भी हो रही है। कितनी गड़बड़ी मिली है इसकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है। मीडिया को जानकारी देने पर ही इसका खुलासा हो पाएगा।

मिली जानकारी के मुताबिक पहली बार खनिज, राजस्व, पर्यावरण और जीएसटी विभाग की ज्वाइंट टीम बनाई गई है। टीम ने एक साथ प्रदेश के कई जिलों में कोल वाशरी और को डिपो में दबिश दी है। कोल माफियाओं द्वारा लगातार गड़बड़ी किए जाने की मिल रही शिकायतों के मद्देनजर बुधवार को राज्य शासन की विशेष टीमों ने एक साथ ताबड़तोड़ छापेमारी शुरू की है। खनिज विभाग ने कोरबा, बिलासपुर, जांजगीर-चांपा एवं रायगढ़ जिलों के कोल वाशरी एवं कोल डिपो की जांच करने 10 टीमें गठित की है। इन टीमों में 50 से ज्यादा अधिकारियों को शामिल किया गया है। खनिज विभाग के अफसरों ने बताया कि यह कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। इसके बाद पत्थर खदानों की भी जांच की जाएगी।

कोल वाशरियों व कोल डिपो की जांच के लिए खनिज विभाग द्वारा गठित राज्य स्तरीय टीम व पर्यावरण विभाग, जीएसटी, पुलिस और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने बुधवार को गतौरा और हिंडाडीह स्थित हिन्द एनर्जी, हिंद मल्टी एवं क्लीन कोल वाशरियों एवं गतौरी स्थित सत्या पावर कोल वाशरी, फील वाशरी में कोल स्टॉक, कोल आवक-जावक एवं पर्यावरण नियमों का पालन आदि की जांच कर रही है।

राज्य स्तरीय टीम द्वारा सभी कोल वाशरी और डिपो की जांच की जाएगी। इधर छापे की कार्रवाई के बाद कोल व्यापार से जुड़े लोगों में हड़कंप मचा हुआ है।

92 पूर्व सिविल सेवकों ने जारी किया बयान, तीस्ता सीतलवाड़ के खिलाफ टिप्पणियों को वापस ले सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 06 जुलाई (एजेन्सी)। मशहूर पूर्व सिविल सेवकों के एक समूह ने गुजरात में 2002 के सांप्रदायिक दंगों में तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी को एसआईटी की क्लीन चिट को बरकरार रखते हुए सामाजिक कार्यकर्ता तीस्ता सीतलवाड़ और अन्य के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट की निरर्थक टिप्पणियों को वापस लेने की मांग की। एक खुले बयान में इन्होंने शीर्ष अदालत से इस आशय का स्पष्टीकरण जारी करने के लिए भी कहा कि यह उनका इरादा यह नहीं था कि सीतलवाड़ को गिरफ्तार कर लिया जाए। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट से तीस्ता की बिना शर्त रिहाई का आदेश देने का आग्रह किया।

92 पूर्व सिविल सेवकों द्वारा हस्ताक्षरित इस खुले बयान में कहा गया है- मौन का हर दिन अदालत की प्रतिष्ठा को कम करता है और संविधान के मूल सिद्धांत को बनाए रखने के अपने दृढ़ संकल्प पर सवाल उठाता है।

राज्य के संदिग्ध कार्यों के खिलाफ जीवन और स्वतंत्रता के मूल अधिकार की रक्षा की जानी चाहिए। हस्ताक्षर करने वालों में पूर्व केंद्रीय गृह सचिव जी के पिल्लई, पूर्व विदेश सचिव सुजाता सिंह, पूर्व मुख्य सूचना आयुक्त वजाहत हबीबुल्लाह, पूर्व स्वास्थ्य सचिव के सुजाता राव, पूर्व आईपीएस अधिकारी ए एस दुलत और पूर्व आईएएस अधिकारी अरुणा रॉय शामिल हैं। बयान में कहा गया है कि जकिया अहसान जाफरी बनाम गुजरात राज्य में हाल ही में तीन न्यायाधीशों की बेंच के 24 जून, 2022 के फैसले ने नागरिकों को पूरी तरह से परेशान और निराश कर दिया।

उन्होंने कहा कि सिर्फ अपील को खारिज किए जाने ने लोगों को हैरान नहीं किया है, बल्कि पीठ ने अपीलकर्ताओं, उनके वकील और समर्थकों के बारे में जो अनावश्यक टिप्पणी की है उससे लोग हैरान हैं। फैसले के पैरा 88 का हवाला देते हुए बयान में कहा गया है कि सबसे आश्चर्यजनक टिप्पणी में सुप्रीम कोर्ट ने विशेष जांच दल के अधिकारियों की सराहना की जिन्होंने राज्य का बचाव किया है और एसआईटी के निष्कर्षों को चुनौती देने वाले अपीलकर्ताओं को हतोत्साहित किया है। सुप्रीम कोर्ट ने 24 जून को 2002 के सांप्रदायिक दंगों में नरेंद्र मोदी और 63 अन्य को एसआईटी की क्लीन चिट को बरकरार रखा था, जिसमें कहा गया था कि गोधरा ट्रेन नरसंहार के बाद की हिंसा पूर्व नियोजित थी।

ईडी का छापा पड़ते ही फरार हुए वीवो के निदेशक झेंगशेन ओउ और झांग जी, 44 जगहों पर हुई थी छापेमारी

नई दिल्ली, 06 जुलाई (एजेन्सी)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच तेज करने के साथ ही मोबाइल कंपनी वीवो के दो निदेशक भारत छोड़कर भाग गए हैं। कहा जा रहा है कि वे वापस चीन चले गए हैं। समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, ईडी द्वारा चीनी फर्म के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच तेज करने के बाद विवो के निदेशक झेंगशेन ओउ और झांग जी भारत से भाग गए हैं।

प्रवर्तन निदेशालय ने मंगलवार को चीनी स्मार्टफोन विनिर्माता वीवो और संबंधित फर्मों के खिलाफ धन शोधन जांच में देशभर में 44 स्थानों पर तलाशी ली।

अधिकारियों ने कहा कि धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की धाराओं के तहत छापेमारी की जा रही है। उन्होंने बताया कि एजेंसी दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मेघालय, महाराष्ट्र और अन्य राज्यों में वीवो और उससे संबंधित कंपनियों से जुड़े 44 स्थानों पर तलाशी ले रही है। वीवो इंडिया के एक प्रवक्ता ने कहा कि हम अधिकारियों के साथ सहयोग कर रहे हैं।

प्रवर्तन निदेशालय को शक है कि यह कथित जालसाजी शेल या फर्जी कंपनियों का इस्तेमाल करके अवैध रूप से कमाए गए धन की हेराफेरी करने के लिए की गई थी। इसमें से कुछ आपराधिक आय को विदेश भेजा गया या भारतीय कर और प्रवर्तन एजेंसियों को धोखा देकर कुछ अन्य व्यवसायों में लगा दिया गया।

इस कार्रवाई को चीनी संस्थाओं और उनसे जुड़े भारतीय पक्षों के खिलाफ केंद्र सरकार की कार्रवाई के हिस्से के रूप में देखा जा रहा है। आरोप है कि ये कंपनियां यहां काम करते हुए धन शोधन और कर चोरी जैसे गंभीर वित्तीय अपराधों में लिप्त हैं।

पटना राजीव नगर बुलडोजर एक्शन: हाईकोर्ट ने दिया यथास्थिति बनाए रखने का आदेश, बिजली-पानी सेवा भी होगी बहाल

पटना, 06 जुलाई (का.सं.)। बिहार की राजधानी पटना में राजीव नगर के नेपाली नगर में अतिक्रमण हटाने के लिए बुलडोजर के एक्शन को लेकर हाईकोर्ट ने सुनवाई करते हुए कार्रवाई पर यथास्थिति बहाल रखने का निर्देश दिया है। साथ ही कोर्ट ने कहा कि वहां रह रहे किसी भी नागरिक को तंग न किया जाए और साथ ही उनकी बिजली और पानी की सेवाएं भी बहाल कर दी जाएं। वहीं हाईकोर्ट ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि किसी को बिना व्यक्तिगत नोटिस दिए ही जिला प्रशासन ने कार्रवाई की है। साथ ही कोर्ट ने कहा कि जब पुलिस और अधिकारियों की नाक के नीचे ये अतिक्रमण हुआ तो उस समय कार्रवाई क्यों नहीं की गई।

वहीं पटना हाईकोर्ट ने प्रशासन ने पूछते हुए कहा कि अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई रविवार को क्यों की गई। क्या प्रशासन रविवार को काम करता है। साथ ही कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई में पटना डीएम चंद्रशेखर, सीओ सदर, हाउसिंग बोर्ड के एमडी व एस्टेट ऑफिसर को उपस्थित रहने के लिए कहा है। पटना हाई कोर्ट इस मामले की सुनवाई 14 जुलाई 2022 को करेगा।

रविवार को पटना प्रशासन की टीम बुलडोजर के साथ राजीव नगर के नेपाली नगर पहुंची थी और वहां अतिक्रमण गिराना शुरू कर दिया था। इस बात से भड़के लोगों ने बवाल मचाते हुए खूब हंगामा किया था। पुलिस की टीम को लाठी का सहारा भी लेना पड़ा था। सोमवार को टीम फिर कार्रवाई के लिए पहुंची थी लेकिन हाईकोर्ट ने मामले में सुनवाई करते हुए रोक लगा दी थी।

एनआईए ने महाराष्ट्र के 13 इलाकों में की छापेमारी, मोबाइल फोन-सिम कार्ड समेत अहम दस्तावेज जब्त

मुंबई, 06 जुलाई (एजेन्सी)। एनआईए ने बुधवार को अमरावती में फार्मासिस्ट उमेश कोल्हे की हत्या के सिलसिले में महाराष्ट्र के कई स्थानों पर छापेमारी की। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने पिछले हफ्ते 21 जून को अमरावती जिले में उमेश कोल्हे की हत्या का मामला एनआईए को सौंपा था। एनआईए के एक प्रवक्ता ने बताया कि एजेंसी ने बुधवार को महाराष्ट्र में 13 स्थानों पर छापेमारी की।

एजेंसी के मुताबिक, आरोपियों और संदिग्धों के परिसरों की तलाशी के दौरान मोबाइल फोन, सिम कार्ड, मेमोरी कार्ड, डीवीआर जैसे डिजिटल उपकरण, चाकू और पैम्फलेट के अलावा नफरत भरे संदेश और अन्य आपत्तिजनक दस्तावेज और सामग्री जब्त की गई। प्रवक्ता ने कहा कि मामले में आगे की जांच जारी है।

दरअसल, भाजपा की बर्खास्त प्रवक्ता नूपुर शर्मा की पैगंबर मोहम्मद पर टिप्पणी का समर्थन करने के लिए कोल्हे की चाकू मारकर हत्या कर दी गई थी। मामला शुरू में 22 जून को अमरावती के थाना शहर कोतवाली में दर्ज किया गया था। एनआईए ने दो जुलाई को फिर से मामला दर्ज कर जांच अपने हाथ में ले ली थी।

पुलिस ने फार्मासिस्ट उमेश कोल्हे की हत्या के सिलसिले में बुधवार को पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के एक स्थानीय नेता से यहां पूछताछ की। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि पीएफआई के अमरावती जिला प्रमुख सोहैल नदवी को नागपुरी गेट थाने लाया गया और पूछताछ की गई तथा बाद में उसे जाने दिया गया।

इस बीच महाराष्ट्र के नासिक जिले में अफगानिस्तान के सूफी धर्मगुरु की संदिग्ध तौर पर संपत्ति विवाद में हत्या कर दी गई। एक अधिकारी ने बुधवार को बताया कि मंगलवार शाम को हुई इस हत्या के सिलसिले में एक शख्स को हिरासत में लिया गया है। वह चार साल से शरणार्थी के तौर पर भारत में रह रहे थे और सोशल मीडिया पर उन्हें लोग बड़ी संख्या में 'फॉलो' करते थे।

ठाणे शहर के मुंब्रा में दो अज्ञात लोगों ने बजरंग दल के 30 वर्षीय एक पदाधिकारी के साथ कथित तौर पर मारपीट की। पुलिस ने आरोपियों का पता लगाने के लिए तलाशी अभियान शुरू किया है। एक अधिकारी ने बुधवार को बताया कि एक जुलाई को मुस्लिम बहुल इलाके मुंब्रा के कादर पैलेस इलाके में सर्वेश तिवारी पर लकड़ियों से हमला किया गया था। पुलिस के मुताबिक, कलवा निवासी तिवारी शुक्रवार दोपहर करीब तीन बजे अपने दोस्त के साथ मुंब्रा में एक बेकरी में गए थे। जब वह फोन पर बात कर रहे थे, तो दो लोग वहां आए और उससे मारपीट करने लगे। बाद में दोनों मौके से भाग गए।

जिहाद समर्थक बंगाल सरकार को हटाए बिना चैन से नहीं बैठेंगे : शुभेंदु अधिकारी

नई दिल्ली, 06 जुलाई (एजेन्सी)। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता शुभेंदु अधिकारी ने बुधवार को आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल की तृणमूल कांग्रेस सरकार 'जिहादी समर्थक' है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि वह इसके खिलाफ अपनी लड़ाई तब तक नहीं छोड़ेंगे जब तक कि इसे हटा नहीं दिया जाता और राज्य में 'राष्ट्रवादी सरकार' का गठन नहीं हो जाता। जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती के मौके पर अधिकारी और भाजपा के कई वरिष्ठ नेताओं ने गोलपार्क से हाजरा क्रॉसिंग तक आयोजित एक रैली में भाग लिया।

अधिकारी की टिप्पणी पर तृणमूल ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की और कहा कि इससे अधिकारी और भगवा खेमे की 'हताशा' प्रदर्शित होती है, जो पश्चिम बंगाल में सत्ता हासिल करने में नाकाम रहा।

अधिकारी ने रैली को संबोधित करते हुए कहा, हम सभी जानते हैं कि किस प्रकार श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने कश्मीर में विशेष प्रावधानों को हटाने के लिए संघर्ष किया और अपनी जान दे दी। उनके संघर्ष से प्रेरणा लेते हुए, बंगाल में भाजपा अपनी लड़ाई उस समय तक जारी रखेगी जब तक कि जिहादी समर्थक तृणमूल सरकार को सत्ता से बेदखल नहीं कर दिया जाता।'

उन्होंने कहा, 'वह दिन दूर नहीं जब हम बंगाल में राष्ट्रवादी सरकार लाने में सफल होंगे...।'

तृणमूल के राज्य महासचिव कुणाल घोष ने भाजपा नेता पर पलटवार करते हुए कहा कि अधिकारी की टिप्पणियां उनकी हताशा को स्पष्ट करती हैं क्योंकि पिछले साल राज्य विधानसभा चुनाव में ममता बनर्जी की पार्टी के हाथों भाजपा को मिली हार के बाद मुख्यमंत्री बनने का उनका सपना 'टूट गया था।''

मोदी सरकार ने गरीब की कमर तोड़ दी : प्रियंका गांधी

नई दिल्ली, 06 जुलाई (एजेन्सी)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने बुधवार को कहा कि भाजपा की सरकार आवश्यक वस्तुओं की कीमत लगातार बढ़ा रही है और रसोई गैस सिलेंडर की कीमत फिर बढ़ाकर उसने गरीबों की कमर तोड़ दी है। प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि एक तरह यह सरकार गरीबों के कल्याण की बात करती है और दूसरी तरफ गरीबों का निवाला छीनती है। सरकार ने पिछले दो, तीन दिन में खाने-पीने की आवश्यक वस्तुओं पर में पांच प्रतिशत की बढ़ौतरी करके गरीबों की रोटी छीनने का काम कर दिया है।

प्रियंका ने ट्वीट किया भाजपा व उसके पूंजीपति मित्रों के जनता से लूट-लूट कर खाने के दांत कुछ और हैं, दिखाने के कुछ और, कार्यकारिणी बैठक में गरीब कल्याण' बोलकर पिछले 2-3 दिनों में आटा, अनाज, दही, पनीर पर 5 प्रतिशत गब्बर सिंह टैक्स लगा दिया आज रसोई गैस पर 50 रु और बढ़ा कर गरीब-मध्य वर्ग की कमर तोड़ दी।''

मीडिया ने निभाई सकारात्मक भूमिका : पीएम मोदी

'जन भागीदारी की बदौलत विकास की नई गाथा लिख रहा असम'

नई दिल्ली, 06 जुलाई (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए एक समाचार पत्र के स्वर्ण जयंती समारोह के उद्घाटन कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस दौरान प्रधानमंत्री ने कहा कि सेन डेका (समाचार पत्र के संपादक) के नेतृत्व में अखबार ने राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखा और आपातकाल के दौरान भी जब लोकतंत्र पर सबसे बड़ा हुआ तब भी अखबार और डेका ने पत्रकारीय मूल्यों से समझौता नहीं किया।

मोदी ने कहा, 'बीते कुछ दिनों से असम बाढ़ के रूप में बड़ी चुनौती और कठिनाइयों का सामना भी कर रहा है। असम के अनेक जिलों में सामान्य जीवन बहुत अधिक प्रभावित हुआ है। हिमंत जी (असम के मुख्यमंत्री) और उनकी टीम राहत और बचाव के लिए दिन-रात मेहनत कर रही है।'

उन्होंने आगे कहा कि इसको लेकर समय-समय पर बातचीत होती रहती है। उन्होंने असम के लोगों और अखबार के पाठकों को भरोसा दिलाते हुए कहा कि केंद्र और राज्य सरकार मिलकर उनकी मुश्किलें कम करने में जुटी हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि अखबार के पिछले 50 वर्षों की यात्रा, असम में हुए बदलाव की कहानी बताती है। जन आंदोलनों ने इस बदलाव को साकार करने में अहम भूमिका निभाई है। जन आंदोलनों ने असम की सांस्कृतिक विरासत और असमिया गौरव की रक्षा की और अब जन भागीदारी की बदौलत असम विकास की नई गाथा लिख रहा है।

मोदी ने कहा, 'स्वच्छ भारत मिशन जैसे अभियान में हमारे मीडिया ने जो सकारात्मक भूमिका निभाई है, उसकी पूरे देश और दुनिया में आज भी सराहना होती है। इसी तरह अमृत महोत्सव में देश के संकल्पों में भी आप भागीदार बन सकते हैं।'

उन्होंने कहा कि पिछले 8 वर्षों से असम और पूरे उत्तर पूर्व को आधुनिक कनेक्टिविटी के हिसाब से जोड़ने का अभूतपूर्व प्रयास चल रहा है। इससे असम और उत्तर पूर्व की भारत की वृद्धि में भागीदारी लगातार बढ़ रही है।

नूपुर शर्मा के खिलाफ याचिका को तत्काल सूचिबद्ध करने से सुप्रीम कोर्ट का किया इनकार

नई दिल्ली, 06 जुलाई (एजेन्सी)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को बीजेपी की निलंबित नेता नूपुर शर्मा के खिलाफ एक याचिका को तत्काल सूचीबद्ध करने से इनकार कर दिया है। इस याचिका में सुप्रीम कोर्ट की ओर से अधिकारियों को नूपुर शर्मा को पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ कथित टिप्पणी और मुस्लिम समुदाय की भावनाओं को आहत करने के लिए कार्रवाई करने और उन्हें गिरफ्तार करने का निर्देश देने की मांग की गई है।

जस्टिस इंदिरा बनर्जी और जस्टिस जे के माहेश्वरी की अवकाशकालीन पीठ ने मामले की तत्काल सुनवाई की मांग उठाने वाले अधिवक्ता अबू सोहेल को रजिस्ट्रार के पास भेज दिया है। वकील ने मामले की तत्काल सुनवाई की मांग करते हुए कहा था कि शिकायत के बावजूद पुलिस की ओर से नूपुर शर्मा के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

याचिका को लेकर पीछ ने कहा, अवकाशकालीन पीठ के समक्ष मामले का उल्लेख क्यों? पहले रजिस्ट्रार के पास मामले को सूचिबद्ध कराएं।

वकील ने बाद में कहा कि उन्होंने रजिस्ट्रार के समझ मामले को उठाया है और इस पर 11 जुलाई को सुनवाई होने की संभावना है। याचिका में कहा गया है कि शर्मा ने पैगंबर मोहम्मद और मुस्लिम समुदाय के खिलाफ अभद्र टिप्पणी की थी। इसलिए मामले की स्वतंत्र, विश्वसनीय और निष्पक्ष जांच के लिए निर्देश दी जाए, जिससे तत्काल गिरफ्तारी सुनिश्चित हो सके।

इसके अलावा याचिका में कहा गया है कि नूपुर शर्मा का बयान संविधान के अनुच्छेद 14, 15, 21, 26 और 29 और अन्य मौलिक अधिकारों का उल्लंघन हैं। वकील ने कहा, नूपुर शर्मा के शब्दों ने देश और दुनिया में अशांति पैदा की और हंगामा खड़ा कर दिया है जिसकी वजह से हमारे देश की छवि खराब हुई है।

लालू यादव की सेहत का हाल जानने पारस अस्पताल पहुंचे सीएम नीतीश

पटना, 06 जुलाई (का.सं.)। राबड़ी देवी के सरकारी आवास पर सीढ़ियों से गिरने के बाद तबीयत बिगड़ने पर पटना के पारस अस्पताल में भर्ती बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव से सीएम नीतीश कुमार मिलने पहुंचे। इस दौरान तेजस्वी यादव और तेज प्रताप यादव भी मौजूद रहे। सीएम नीतीश कुमार ने डॉक्टरों से आरजेडी चीफ के स्वास्थ्य का हाल जाना। बताया जा रहा है कि बुधवार शाम इलाज के लिए लालू यादव को एयर एंबुलेंस के जरिए दिल्ली के एम्स अस्पताल ले जाया जाएगा। सीएम नीतीश से पहले बिहार के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय भी लालू यादव की तबीयत जानने के लिए अस्पताल पहुंचे थे।

गौरतलब है कि पटना में तबीयत में सुधार न होने की वजह से राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव को दिल्ली एम्स ले जाने की तैयारी है। इसके लिए बुधवार शाम को दिल्ली से एयर एम्बुलेंस आएगी। लालू अपने परिवार के साथ दिल्ली जाएंगे। दूसरी ओर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी समेत देश के कई राजनेताओं ने तेजस्वी यादव को फोन कर लालू प्रसाद के स्वास्थ्य की जानकारी ली है।

बता दें कि लालू यादव पटना के पारस अस्पताल के आईसीयू वार्ड में भर्ती हैं। उन्हें ऑक्सीजन सपोर्ट पर रखा गया है। शनिवार को राबड़ी आवास में सीढ़ी से उतरते के क्रम में लालू प्रसाद गिर गए थे। उनका कंधा टूट गया है, जबकि कमर में गंभीर चोट आई है। हालांकि रविवार को घर पर ही उनका इलाज किया गया, लेकिन सोमवार की सुबह उनकी स्थिति बिगड़ जाने के कारण तेजस्वी यादव खुद गाड़ी से उन्हें लेकर अस्पताल पहुंचे।

महुआ मोइत्रा ने तृणमूल के आधिकारिक ट्विटर हैंडल को किया अनफॉलो

कोलकाता, 06 जुलाई (एजेन्सी)। तृणमूल कांग्रेस की लोकसभा सदस्य महुआ मोइत्रा ने बुधवार को अपनी पार्टी से दूरी बनाते हुए कथित तौर पर पार्टी के आधिकारिक ट्विटर हैंडल को अनफॉलो कर दिया।

हालांकि, महुआ मोइत्रा ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के आधिकारिक ट्विटर हैंडल को फॉलो करना जारी रखा है।

कोलकाता में हाल ही में एक मीडिया कॉन्क्लेव में देवी काली के बारे में उनकी टिप्पणियों को लेकर पार्टी नेतृत्व के साथ उनके बढ़ते मतभेदों के बाद यह घटनाक्रम सामने आया है।

एक विवादास्पद फिल्म पोस्टर पर एक सवाल का जवाब देते हुए, जिसमें एक महिला को देवी काली के रूप में धूम्रपान करते हुए दिखाया गया था, मोइत्रा ने कहा था कि उनके लिए देवी काली मांस खाने वाली और शराब स्वीकार करने वाली देवी हैं। अपने तर्कों के समर्थन में, उन्होंने पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले में प्रतिष्ठित तारापीठ शक्ति पीठ मंदिर का संदर्भ दिया, जहां देवी काली के 'मां तारा' स्वरूप की पूजा करते हुए मांस और शराब पेश की जाती है।

उनकी टिप्पणियों की राज्य के भाजपा नेताओं द्वारा कड़ी आलोचना की गई है, जिन्होंने मोइत्रा की टिप्पणियों को पारंपरिक हिंदू धर्म का अपमान बताया। भाजपा नेताओं ने ममता बनर्जी से उनकी पार्टी की सांसद के खिलाफ कार्रवाई करने की भी मांग की।

जैसे ही चीजें गंभीर होने लगीं, तृणमूल कांग्रेस नेतृत्व ने पार्टी की मुखर सांसद की टिप्पणियों से खुद को दूर कर लिया और इस मुद्दे पर मोइत्रा की टिप्पणियों की निंदा करते हुए एक ट्विटर संदेश भी जारी किया।

ट्विटर संदेश में, तृणमूल कांग्रेस नेतृत्व ने स्पष्ट रूप से कहा कि देवी काली पर मोइत्रा द्वारा व्यक्त विचार उनके व्यक्तिगत विचार हैं और पार्टी द्वारा किसी भी रूप में इनका समर्थन नहीं किया गया है। पार्टी के आधिकारिक हैंडल के ट्विटर संदेश में लिखा है, 'अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस इस तरह की टिप्पणियों की निंदा करती है।'

बढ़ते विवादों पर प्रतिक्रिया देने में मोइत्रा ने भी कोई देरी नहीं की। उन्होंने एक काउंटर ट्विटर संदेश में कहा, 'आप सभी से झूठ बोलने वाले संघी आपको बेहतर हिंदू नहीं बना देंगे। मैंने कभी किसी फिल्म या पोस्टर का समर्थन नहीं किया या धूम्रपान के काम का उल्लेख नहीं किया। सुझाव है कि आप तारापीठ में मेरी मां काली के पास जाएं, यह देखने के लिए कि भोग के रूप में क्या खाने-पीने की पेशकश की जाती है। जय मां तारा।'

इस बीच बुधवार को पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी ने मां काली के बारे में विवादित टिप्पणी के लिए मोइत्रा की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की। उन्होंने कहा, 'मुझे उम्मीद है कि पुलिस को उसी तरह से प्रतिक्रिया देनी चाहिए जैसे उन्होंने निलंबित भाजपा नेता नूपुर शर्मा को पैगंबर मुहम्मद के बारे में विवादास्पद टिप्पणियों पर तलब

किया था। हम कुछ और समय इंतजार करेंगे और अगर पुलिस मोहुआ मोइत्रा के खिलाफ कार्रवाई नहीं करती है, तो हम पुलिस के खिलाफ कलकत्ता उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाएंगे।'

यह पहली बार नहीं है जब मोइत्रा और तृणमूल कांग्रेस के बीच मामूली नोकझोंक हुई है। यूट्यूबर और ब्लॉगर रोड्दुर रॉय की हालिया गिरफ्तारी या हाल ही में पश्चिम बंगाल के नादिया जिले के हंसखली में एक नाबालिग लड़की के दुष्कर्म और हत्या पर, उन्होंने पार्टी नेतृत्व और कभी-कभार तो मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ भी एक स्टैंड लिया था।

भाषा व संस्कृति का ....

करने की जरूरत है। नेपाली साहित्य को झेलनी पड़ रही पाठक के अभाव की समस्या को भी उन्होंने रेखांकित किया। आधुनिकीकरण और डिजिटल संसार के कारण हुई क्षति पर भी उन्होंने प्रकाश डाला। इसके अतिरिक्त अभावमुक्त नेपाली समाज निर्माण से ही शान्ति कायम रहने के बात भी उन्होंने कही। पवन चामलिंग ने कहा कि शान्ति केवल युद्धरहित देश और समाज में ही नहीं होती है संपूर्ण मनुष्य के जीवन में शांति आवश्यक है। धर्म, जाति, राजनीतिक सत्ता के संघर्ष, राजनीतिक आतंकवाद, लैंगिक विभेद आदि के कारण मानव संसार में अशान्ति का सृजन हो रहा है।

इसके अतिरिक्त सम्मान कार्यक्रम को सम्बोधन करते हुए पवन चामलिंग ने वर्तमान समय में शोषण का डाइमेन्सन फिर से वापस आ गया है। आर्थिक उपनिवेशवाद के कारण विकासशील देश पश्चिमी देशों के उपनिवेश के जंजाल में फंस रहे हैं और सभी लोग थोक के उपभोगक्ता बन गए हैं। इसी संदर्भ में उन्होंने सिक्किम की ओर से शुरू की गई जैविक खेती के महत्त्व पर भी प्रकाश डाला और नेपाल से भी इस खेती की पद्धति को अंगीकार करने का आग्रह किया।

ज्ञात रहे कि नेपाल तथा विश्व में नेपाली भाषा साहित्य, संस्कृति के माध्यम से शान्ति और सद्भावना के प्रवर्द्धन एवं उन्नयन के लिए पवन चामलिंग के उल्लेखनीय योगदान को देखते हुए उन्हें यह अंतरराष्ट्रीय शान्ति पुरस्कार प्रदान किया गया है। डिल्लीरमण रेग्मी नेपाल के प्रसिद्ध इतिहासकार थे। अंग्रेजों के खिलाफ भारतीय क्रान्ति में शामिल होने के कारण उन्हें चार साल जेल में भी काटना पड़ा था। इसी प्रकार नेपाल के प्रजातान्त्रिक आन्दोलन में अहिंसात्मक रूप में सक्रिय रहे और प्रजतंत्र लागू होने के बाद कई बार मंत्री भी रहे। उन्होंने अपनी संपत्ति नेपाल सरकार को दान कर दी थी। उनकी इच्छा के अनुसार ही विगत दो दशकों से 'डिल्लीरमण शान्ति पुरस्कार' प्रदान किया जा रहा है। आज तक दक्षिण अफ्रीका के पूर्व राष्ट्रपति नेल्सन मन्डेला, भारत के महान नेता माहत्मा गान्धी, अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जिम्मी कार्टर, स्विस नागरिक टोनी हेगन, संयुक्त राष्ट्र संघ के महासचिव बान की मून, बर्मा की प्रजातन्त्रवादी नेता आंग सांग सुकी आदि को डा. डिल्लीरमण रेग्मी अन्तर्राष्ट्रीय शान्ति पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

मत्स्य पालन निदेशालय ...

क्षेत्रों में उपयुक्त मत्स्य पालन वातावरण विकसित करने की दिशा में एक कदम है। श्री लेप्चा ने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि अन्य राज्यों की तुलना में राज्य में ट्राउट मछलियों के उत्पादन में उच्च विकास दर है। अंत में, उन्होंने पात्र लाभार्थियों जैसे व्यक्तिगत या समूह किसानों, एसजीएच, मछुआरों, मछली श्रमिकों, मछली विक्रेताओं आदि के बारे में बताया।

अंत में बैठक में सदस्यों द्वारा विभाग के समक्ष रखे गए कुछ मुद्दों और प्रश्नों पर खुली चर्चा हुई। श्री गोपाल लामा ने लाभार्थियों द्वारा वित्तीय सहायता प्राप्त करने के लिए बैंक के प्रावधानों के बारे में जानकारी दी।

सिक्किम व पश्चिम बंगाल ...

के बीच चलने वाले वाहनों को अकसर काउंटर सिग्नेचर परमिट नहीं होने के कारण कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था।

अब नए समझौते में, पश्चिम बंगाल सरकार ने सिक्किम स्थित वाणिज्यिक वाहनों के लिए बिना काउंटर सिग्नेचर परमिट के मार्ग पर चलने के लिए पश्चिम बंगाल की ओर रंगपो और मल्ली के बीच एक गलियारा सुविधा देने पर सहमति व्यक्त की है। काउंटर सिग्नेचर परमिट के तहत चलने वाले वाहनों का सकल वजन पिछले समझौते में 16,200 किलोग्राम से बढ़ाकर नए समझौते में 18500 किलोग्राम कर दिया गया है।

दोनों राज्यों के ट्रांसपोर्टरों की ओर से परमिट का कोटा बढ़ाने की भारी मांग थी। अब दोनों राज्य बाजार की मांग के मुताबिक कोटा बढ़ाने पर आपसी सहमति से तैयार हो गए हैं।

दोनों राज्यों के बीच हुई बैठक में सिक्किम के परिवहन मंत्री संजीत खरेल के साथ विभाग सचिव राज यादव भी मौजूद थे। परिवहन मंत्री फिरहाद हकीम और प्रमुख सचिव राजेश कुमार सिन्हा ने मंगलवार शाम उत्तर बंगाल के सुकना के एक होटल में हुई बैठक में बंगाल पक्ष का प्रतिनिधित्व किया।

स्मृति ईरानी बनीं अल्पसंख्यक मंत्री, सिंधिया को इस्पात मंत्रालय

राजेश अलख

नई दिल्ली, 06 जुलाई। मुख्तार अब्बास नकवी और आरसीपी सिंह के केंद्रीय मंत्री पद से इस्तीफे के बाद मोदी सरकार ने तत्काल प्रभाव से स्मृति ईरानी और ज्योतिरादित्य सिंधिया को उनके पोर्टफोलियों की अतिरिक्त जिम्मेदारी सौंपी है।

इससे पहले भाजपा के वरिष्ठ नेता मुख्तार अब्बास नकवी और जदयू नेता राम चंद्र प्रसाद सिंह ने केंद्रीय मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। उनका राज्यसभा कार्यकाल गुरुवार को पूरा हो रहा था। इसलिए मोदी सरकार की कैबिनेट बैठक के बाद दोनों ने अपने पद से इस्तीफा दिया।

दोनों के इस्तीफे के बाद स्मृति ईरानी को उनके पोर्टफोलियों के अलावा अल्पसंख्यक मामलों का अतिरिक्त प्रभार दिया है। इससे पहले अल्पसंख्यक मंत्रालय नकवी संभाल रहे थे। जबकि ज्योतिरादित्य सिंधिया को उनके मौजूदा पोर्टफोलियो के अलावा, इस्पात मंत्रालय का प्रभार सौंपा गया है। इस्पात मंत्रालय की जिम्मेदारी आरसीपी सिंह संभाल रहे थे।

Government of Sikkim

Tourism & Civil Aviation Department

Paryata Bhawan, Tadong 7371102, Gangtok (Sikkim)

Ref: 155(3739)EC/EC/DoT&CA/22-23/108 Dated : 30.06.2022

EXPRESSION OF INTEREST NO. 168/TD

On behalf of the Hon'ble Governor of Sikkim, the Tourism & Civil Aviation Department, Government of Sikkim invites the Expression of Interest (EOI) for Pre-qualification to fill up the Eligibility Criteria for the Project **"Construction of Fambong Lho Heritage Park at Sang in Gangtok District"** on a Design, Built and Transfer (DBT) basis from registered contractors those having enlisted with the Sikkim Public Works Department (SPWD) having experience and expertise in construction of religious structures/ complexes. The interested contractor shall submit their Expression of Interest (EOI) to the Chief Engineer, Tourism & Civil Aviation Department, Paryata Bhawan, Metro Point, Lower Tadong, Gangtok district on or before 20/07/2022 along with the requisite documents to fulfil the pre-qualification as per Eligibility Criteria indicated below:-

Eligibility Criteria

1. The intending bidder shall hold class I AA enlistment certificate as a civil contractor, registered with the Sikkim Public Works Department (SPWD), Government of Sikkim. The attested copy of the validated enlistment certificate of the intending bidder shall be attached with Expression of Interest.
2. The intending bidder shall have adequate experience in construction of religious structures/complexes having successfully completed atleast one such project costing not less than Rs. 10.00 crore in one single work order/ Job Order or atleast Rs. 15.00 crore in two work order/Job Order in the last 10 years in the State of Sikkim.
3. The credentials of Sl. No. (1) and (2) shall be supported by certificates issued by the concerned authority of the Government of Sikkim not below the rank of Superintending Engineer with his/her name, designation, contact phone number and e-mail address for verification.
4. The annual financial turnover on construction work of the intending bidder shall not be less than Rs. 25.00 crore in the last 3 (three) financial year, 2017-2018, 2018-19, 2019-20 (prior to Covid Pandemic) and the same shall be duly vetted by the Chartered Accountant and supported by Audited Balance Sheet.
5. The intending bidder shall submit a latest Solvency Certificate from the State Bank of Sikkim or of any other Nationalized Banks Operational in Sikkim issued not earlier than 1st April, 2022 for a minimum amount of Rs. 21.00 crore.
6. Official e-mail address of the intending contractor registered with the E-tendering portal.

R.O. No. 71/IPR/PUB/Classi/2223
DT.: 06.07.2022

Sd/-
Chief Engineer
Tourism & Civil Aviation Department

NAGALAND STATE LOTTERIES

Draw Time: 01:00 PM

DEAR TORSA MORNING

WEDNESDAY WEEKLY LOTTERY

Draw No:84 DrawDate on:06/07/22

1st Prize ₹1 Crore/- 91A 75386

(Including Super Prize Amt)

Cons. Prize ₹1000/- 75386 (REMAINING ALL SERIALS)

2nd Prize ₹9000/-

13769 19022 19913 43004 43240 50067 68726 75425 91998 96166

3rd Prize ₹450/-

1150 1193 1714 2159 2212 3517 3656 3909 5291 5405

4th Prize ₹250/-

0842 1438 1525 1995 3231 3542 4353 4712 6765 7242

5th Prize ₹120/-

0025 0138 0258 0303 0376 0485 0629 0662 1311 1415
1552 1623 1731 1843 2031 2072 2078 2082 2256 2534
2536 2631 2644 2863 3154 3204 3322 3617 3690 3745
3772 3946 4011 4098 4160 4240 4289 4387 4465 4473
4525 4629 4647 4648 4787 4799 4872 5047 5069 5109
5235 5469 5492 5617 5624 5708 5725 5866 5917 6136
6258 6359 6428 6528 6576 6635 6704 6737 7103 7123
7160 7303 7455 7510 7981 8001 8006 8122 8127 8184
8274 8387 8396 8587 8716 8740 8819 8856 8972 9030
9142 9290 9353 9372 9496 9643 9657 9692 9790 9946

ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES

Draw Time: 06:00 PM

DEAR MERCURY WEDNESDAY

WEEKLY LOTTERY

Draw No:84 DrawDate on:06/07/22

1st Prize ₹1 Crore/- 89J 70315

(Including Super Prize Amt)

Cons. Prize ₹1000/- 70315 (REMAINING ALL SERIALS)

2nd Prize ₹9000/-

03372 04520 31607 38050 46588 61000 64451 70872 77200 89939

3rd Prize ₹450/-

1175 1342 3261 3965 4957 6510 7074 7225 9073 9187

4th Prize ₹250/-

0885 1265 2878 2936 3569 4699 5283 7543 7665 8187

5th Prize ₹120/-

0136 0246 0317 0387 0452 0577 0729 0854 0984 1032
1157 1158 1278 1417 1525 1845 1912 1953 1974 2038
2168 2207 2472 2578 2677 2731 2846 2914 2918 2923
2925 2942 2975 3021 3227 3301 3348 3388 3397 3590
3732 4126 4199 4325 4356 4479 4518 4608 4825 4837
4990 5149 5383 5442 5464 5490 5510 5552 5712 5909
5957 5979 6093 6105 6154 6240 6241 6587 6768 6844
6870 6980 7060 7120 7217 7390 7391 7428 7552 7575
7586 7645 7751 7778 7841 7860 7900 7932 7940 8203
8234 8342 8709 9280 9346 9440 9687 9846 9896 9988

ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES

Draw Time: 08:00 PM

DEAR EAGLE EVENING

WEDNESDAY WEEKLY LOTTERY

Draw No:184 DrawDate on:06/07/22

1st Prize ₹1 Crore/- 95B 66860

(Including Super Prize Amt)

Cons. Prize ₹1000/- 66860 (REMAINING ALL SERIALS)

2nd Prize ₹9000/-

06161 08828 15113 16976 19059 26837 39062 41575 50031 50898

3rd Prize ₹450/-

1737 2125 4198 4667 5464 6319 6419 6802 8077 8907

4th Prize ₹250/-

0327 0762 0957 1506 4495 5763 6933 7341 7853 8619

5th Prize ₹120/-

0070 0179 0276 0380 0406 0547 0689 0951 0996 1033
1082 1400 1402 1407 1645 1890 2098 2099 2238 2260
2356 2370 2522 2680 2892 2916 2925 2994 3102 3369
3442 3509 3629 3692 3758 3789 3814 3819 4041 4142
4248 4385 4406 4421 4479 4529 4581 4598 4870 5042
5056 5198 5242 5253 5337 5744 5827 5845 5899 5905
5952 6086 6290 6593 6609 6670 6737 6757 6959 7026
7068 7130 7174 7176 7294 7336 7353 7516 7518 7527
7687 7711 7720 7725 8001 8172 8237 8313 8411 8454
8873 9078 9151 9224 9250 9546 9593 9600 9703 9992

ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

संपादकीय पृष्ठ

ग्राहकों को मिली राहत

सेंट्रल कंस्यूमर प्रटेक्शन अथॉरिटी (सीसीपीए) ने आखिरकार सोमवार को बाकायदा गाइडलाइन जारी कर कह दिया कि होटलों और रेस्तरां में ग्राहकों से सर्विस चार्ज नहीं लिया जा सकता। इसे अनफेयर ट्रेड प्रैक्टिस करार दिया गया है। इसके बावजूद अगर किसी होटल या रेस्तरां में सर्विस चार्ज लगाया जाता है और अनुरोध करने पर भी इसे नहीं हटाया जाता तो ग्राहकों को तत्काल शिकायत करने का विकल्प भी मुहैया कराया गया है। दरअसल, सर्विस चार्ज का यह विवाद कई वर्षों से चल रहा है। ग्राहकों की ओर से इस बारे में काफी शिकायतें भी दर्ज होती रही हैं। बावजूद इसके, होटलों और रेस्तरां ने बिल में सर्विस चार्ज जोड़ना बंद नहीं किया। इस संबंध में उपभोक्ता मामलों के विभाग की ओर से पिछले महीने बुलाई गई बैठक में भी होटल और रेस्टोरेंट इंडस्ट्री के प्रतिनिधियों ने इस चलन का बचाव किया। उनका कहना था कि यह किसी होटल या रेस्तरां की इंडिविजुअल पॉलिसी का मामला है और इसमें कुछ भी गैरकानूनी नहीं है। यह भी कि सर्विस चार्ज के जरिए आया पैसा होटल और रेस्तरां के कर्मचारियों में बंटता है, जिनकी ग्राहकों तक सेवा पहुंचाने में प्रत्यक्ष या परोक्ष भूमिका होती है और यह भी कि इस पर टैक्स अदा किया जाता है, इसलिए सरकार को भी इससे आमदनी ही होती है। लेकिन किसी रकम पर टैक्स चुका देना उसकी वसूली के जायज होने की गारंटी नहीं होता।

जहां तक सर्विस चार्ज का सवाल है तो इसकी तुलना टिप से नहीं की जा सकती। टिप कस्टमर किसी होटल या रेस्तरां की सर्विस से संतुष्ट होने पर अपनी मर्जी से देता है। टिप की रकम भी वह खुद निर्धारित करता है। लेकिन सर्विस चार्ज होटल या रेस्तरां की ओर से ग्राहक पर थोपा जाता है। उसे पहले से इसकी सूचना भी नहीं दी जाती। फिर कुछ होटल और रेस्तरां ऐसा करते हैं, जबकि कुछ नहीं करते। कौन कितना सर्विस चार्ज लगाएगा यह भी उसकी 'इंडिविजुअल पॉलिसी' पर निर्भर करता है। ऐसे में कस्टमर अक्सर खुद को ठगा सा महसूस करता है। गाइडलाइन के जरिए ठीक ही पूरी सख्ती से यह बात स्थापित की गई है कि कस्टमर और इंडस्ट्री के बीच व्यवहार में पूरी पारदर्शिता रहनी चाहिए। अगर कोई होटल मैनेजमेंट अपने कर्मचारियों का वेतन और उनकी सुविधाएं बढ़ाना चाहता है तो वह रेट बढ़ा सकता है। लेकिन उसके मेन्यू पर रेट दर्ज रहेगा, जिसके आधार पर कोई कस्टमर यह तय कर सकता है कि उसे वहां की सेवाएं लेनी हैं या नहीं।

पर निर्धारित रेट और उस पर लगने वाले टैक्स के अलावा कोई भी और रकम किसी भी नाम पर अगर कस्टमर से उसकी मर्जी के खिलाफ ली जाती है तो उसे फेयर ट्रेड नहीं माना जा सकता। उम्मीद की जानी चाहिए कि यह कदम अपने देश में होटल इंडस्ट्री में प्रफेशनलिज़म को बढ़ावा देते हुए कस्टमर के साथ उसके रिश्ते को ज्यादा सौहार्दपूर्ण बनाएगा।

असम की बाढ़ है खतरे की घंटी

सुबीर भौमिक

असम के दरांग जिले के बासाचुबा गांव के लोग पहले मई और फिर जून में दो बार भयंकर बाढ़ से बेघर हो गए। अगर जुलाई में फिर इसी तरह से बारिश हुई, तो दरांग के गांवों में तीन महीने में फिर तीसरी बार बाढ़ आ सकती है। मौसम के पूर्वानुमान में जुलाई के अंत में भारी बारिश की आशंका व्यक्त की गई है, ऐसे में पूरे असम के ग्रामीण लोग सबसे बुरी स्थिति न आने के लिए केवल प्रार्थना कर सकते हैं।

दरांग वह जिला है, जहां ब्रह्मपुत्र नदी की कई सहायक नदियां भूटान से नीचे बहती हैं और नदी की मुख्यधारा में मिल जाती हैं। बासाचुबा के ग्रामीणों ने बताया कि कई दिनों तक बारिश होने से सहायक नदियों के दोनों किनारों पर तटबंध टूट गए, इससे दोनों तरफ के गांव डूब गए। एक ग्रामीण मृणमयनाथ बताते हैं, 'गांव के ऊंचे इलाकों में भी घुटनों तक पानी भर गया। चार-पांच दिनों से पीने का पानी नहीं है क्योंकि नलकूप पानी में डूबे हुए हैं। यहां तक कि शौचालय भी पानी में डूब गए।'

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, असम की मौजूदा बाढ़ ने 181 लोगों की जान ले ली और 32 जिलों में करीब 50 लाख लोग प्रभावित हुए।

कई जगहों पर गांवों को नदियों की बाढ़ से बचाने के लिए बनाए गए तटबंध टूट गए। ग्रामीणों पर यह आरोप लगा कि दक्षिणी असम में बराक नदी के खतरे के निशान पर पहुंचने के साथ उन्होंने अपने गांवों को बाढ़ से बचाने के लिए बेथुकांडी बांध के एक बड़े हिस्से को काट दिया। इससे बराक नदी के तटबंध में बड़ा छेद हो गया और असम का दूसरा सबसे बड़ा शहर सिलचर बाढ़ की चपेट में आ गया।

सिलचर के निवासियों ने कहा कि शहर पूरे 18 दिनों तक कमर तक पानी में डूबा रहा। 83 साल के रंजीत नंदी ने कहा, 'हमने कई बाढ़ देखी है, लेकिन 70 साल में ऐसी बाढ़ नहीं देखी। लगभग एक सप्ताह तक न बिजली थी, न पीने का पानी, न भोजन।' असहाय आबादी को पानी की बोतल एवं खाने के पैकेट उपलब्ध कराने के लिए कछार जिला प्रशासन को भारतीय वायु सेना के हेलीकॉप्टर की मदद लेनी पड़ी।

पुलिस ने बताया कि महिषा बील के निवासियों ने बराक नदी से अतिरिक्त पानी निकालने के लिए बेथुकांडी में तटबंध तोड़ दिया था। जल संसाधन विभाग के कार्यकारी अभियंता देबब्रत पाल ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। असम के मुख्यमंत्री हेमंत बिस्व सरमा ने सिलचर में बाढ़ वाले इलाके में जाकर लोगों की तकलीफों को समझने की कोशिश की और जिला पुलिस को तटबंध काटने वाले लोगों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

निरंतर भारी बारिश के कारण लोगों को कोई राहत नहीं है। राज्य में 19 जून, 2022 तक 53.4 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। जून के पहले 12 दिनों में कुल 528.5 मिलीमीटर बारिश हुई, जो 109 प्रतिशत अधिक थी। पृथ्वी के सबसे नम क्षेत्र मेघालय में जून में 1,215.5 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई, नतीजतन 185 प्रतिशत अधिक वर्षा दर्ज की गई। भारी बारिश के चलते असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश और अंत में मणिपुर में भयंकर भूस्खलन हुआ, जिसमें दर्जनों प्रादेशिक सेना के जवान और स्थानीय ग्रामीण दब गए।

मणिपुर में हुए भूस्खलन में मरने वालों की संख्या अब 27 हो गई, और 40 से अधिक लोग अब भी लापता हैं। जलवायु वैज्ञानिक रॉक्सी मैथ्यू कोल ने इस अभूतपूर्व बारिश और बाढ़ के बाद पूर्वोत्तर में विनाशकारी भूस्खलन को दुर्लभ घटना बताया है। उन्होंने कहा कि प्रशांत क्षेत्र में ला नीना और हिंद महासागर में एक नकारात्मक द्विध्रुवीय संयोजन ने बंगाल की खाड़ी में दक्षिण-पश्चिम से उत्तर-पूर्व की ओर बहने वाली हवाओं को मजबूत किया है।

बंगाल की खाड़ी में ये तेज मानसूनी हवाएं अब पहले से कहीं अधिक नमी ला सकती हैं। बढ़ते तापमान के साथ वायुमंडलीय नमी की मात्रा बढ़ जाती है, क्योंकि गर्म हवा लंबे समय तक अधिक नमी रखती है। इसलिए अब हम जो भारी मात्रा में वर्षा देखते हैं, वह जलवायु परिवर्तन के कारण हो सकती है।

असम का अधिकांश हिस्सा बाढ़ से बचाव के लिए नदी के तटबंधों पर निर्भर है। लेकिन मई में तटबंध टूट गए और ठेकेदारों द्वारा जल्दबाजी में बनाए गए तटबंध जून में भारी बारिश के दौरान फिर से टूट गए।

जिन कंपनियों को सरकार द्वारा ठेके दिए जाते हैं, उन्हें बार-बार तटबंध टूटने से लाभ हुआ। 19 जून, 2022 की असम राज्य आपदा प्रबंधन बाढ़ रिपोर्ट के अनुसार, असम के 20 जिलों में कुल 297 तटबंध टूट गए, जिनमें से 33 केवल दरांग जिले में हैं। इससे लाखों लोगों को ब्रह्मपुत्र या बराक जैसी उग्र नदी से कोई वास्तविक सुरक्षा नहीं मिली। सबसे बुरी बात है कि असम के दस प्रतिशत जिला प्रशासन ने अपनी आपदा प्रबंधन योजना (डीडीएमपी) को अद्यतन नहीं किया है।

विशेषज्ञों का कहना है कि डीडीएमपी को अद्यतन करने और उसे व्यावहारिक रूप से लागू करने से बाढ़ के बेहतर प्रबंधन में मदद मिल सकती है। विभिन्न कारणों से असम में बार-बार बाढ़ आने का खतरा रहता है। पहला, उच्च अवसादन और खड़ी ढलानों के कारण असम से गुजरते हुए ब्रह्मपुत्र नदी बेतरतीब ढंग से बहती है। दूसरा, असम और पूर्वोत्तर क्षेत्र के कुछ अन्य हिस्सों में बार-बार भूकंप आने का खतरा होता है, जो भूस्खलन का कारण बनता है।

बार-बार भूकंप और भूस्खलन से नदियों में भारी मलबा आ जाता है, जिसके परिणामस्वरूप नदी में गाद भर जाती है। तीसरा, असम ब्रह्मपुत्र और बराक नदियों के आसपास तट कटाव का भी सामना कर रहा है। एक अनुमान के अनुसार, असम में लगभग 8,000 हेक्टेयर भूमि कटाव के कारण नष्ट हो गई है। तट कटाव के कारण ब्रह्मपुत्र नदी की चौड़ाई 15 किलोमीटर तक बढ़ गई है। चौथा, असम में बाढ़ के मानव निर्मित कारणों में पहाड़ियों पर स्थित बांधों से पानी छोड़ना भी शामिल है।

पांचवां, इस क्षेत्र की भौगोलिक संरचना कटोरे की तरह है, जिसके चलते क्षेत्र में जलभराव हो जाता है। बाढ़ से बचाव के लिए क्या किया जाना चाहिए? सरकार को जलवायु परिवर्तन के साथ-साथ नदियों का भी अध्ययन कराना चाहिए।

नदी को बेहतर तरीके से समझने के लिए जल प्रवाह की जानकारी जनता के साथ साझा की जानी चाहिए। यह जानकारी चीन ने भारत के साथ साझा की है। बारिश का बेहद सटीक पूर्वानुमान लगाया जाना चाहिए, ताकि तैयारी में मदद मिल सके। जिलों को अपनी आपदा प्रबंधन योजना को निरंतर अद्यतन करना चाहिए।

जवाबदेही से नहीं हो कोई समझौता

प्रांजल शर्मा

किसी को आश्चर्य नहीं होना चाहिए कि कई देशों में ट्विटर, फेसबुक और बड़ी सोशल मीडिया कंपनियों को चुनौती मिल रही है। पिछले महीने ही ट्विटर को अमेरिकी सरकार को 15 करोड़ डॉलर का जुर्माना देने के लिए मजबूर होना पड़ा है। ट्विटर ने अपने यूजर्स या उपयोगकर्ताओं की निजी सूचनाओं का दुरुपयोग किया था। अमेरिका के संघीय व्यापार आयोग (एफटीसी) ने ट्विटर पर उपभोक्ताओं की निजता के उल्लंघन का आरोप खुलकर लगाया है। एफटीसी की अध्यक्ष लीना खान ने एक बयान में कहा है कि ट्विटर की इस कारस्तानी से उसकी कमाई तो बढ़ी है, पर इससे उसके 14 करोड़ से ज्यादा उपयोगकर्ता प्रभावित हुए हैं।

अब सिर्फ अमेरिका ही नहीं, यूरोपीय संघ भी ट्विटर जैसी सोशल मीडिया कंपनियों के खिलाफ कड़े कदम उठा रहा है। यूरोपीय संघ ने तो फेसबुक, ट्विटर और अमेजन सहित अन्य वैश्विक आईटी कंपनियों के खिलाफ ताजा पहल करते हुए उनकी जवाबदेही बढ़ाने के लिए कड़ा कानून पारित किया है। डिजिटल मार्केट ऐक्ट (डीएमए) के अलावा यूरोपीय संघ के सांसदों ने डिजिटल सर्विसेज ऐक्ट (डीएसए) को भी मंजूरी दे दी है। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म अब अवैध सामग्री की निगरानी के लिए ज्यादा जवाबदेह होने को मजबूर हो जाएंगे। दिग्गज आईटी कंपनियों ने अगर कानून का उल्लंघन किया, तो उन पर भारी जुर्माना भी लगेगा। अगर डीएमए का उल्लंघन हुआ, तो कंपनियों को अपने वार्षिक वैश्विक कारोबार के 10 प्रतिशत तक और डीएसए का उल्लंघन हुआ, तो छह प्रतिशत तक के जुर्माने का सामना करना पड़ेगा।

इन कंपनियों को अपने प्लेटफॉर्म पर सामग्री की जांच करनी होगी, जोखिम का मूल्यांकन करना होगा और अवैध सामग्री प्रबंधन के स्वतंत्र ऑडिट की भी जरूरत पड़ेगी। ऐसी सामग्रियों पर भी नजर रखनी पड़ेगी, जो वैध तो हो सकती हैं, लेकिन जो सार्वजनिक स्वास्थ्य, मानवाधिकारों या अन्य सार्वजनिक हितों के लिए खतरा हैं। यूरोपीय संघ द्वारा बनाया गया डिजिटल मार्केट ऐक्ट एक प्रतिस्पर्द्धा केंद्रित बिल है, जिसका मकसद प्रमुख ऑनलाइन प्लेटफॉर्म या कंपनियों को अधिक पारदर्शी बनाना है। दूसरी ओर, डीएसए इस बात पर प्रकाश डालता है कि यूरोप कैसे बड़ी कंपनियों के लिए नियम तैयार करने की दिशा में मुस्तैदी से आगे बढ़ रहा है। अमेरिका और यूरोपीय संघ द्वारा उठाए गए सख्त कदम अन्य देशों को भी इस दिशा में प्रेरित कर रहे हैं। अच्छे कानूनों से भारत भी सीख सकता है।

आजकल ट्विटर के समर्थक यह दिखाना चाहते हैं कि भारत अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को नुकसान पहुंचा रहा है, लेकिन वे यह बताना भूल जाते हैं कि दुनिया के अधिकांश लोकतांत्रिक देशों द्वारा ट्विटर पर सवाल उठाए जा रहे हैं। भारत के केंद्रीय आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है, सोशल मीडिया बहुत शक्तिशाली माध्यम है और इसका हमारे जीवन पर बहुत प्रभाव पड़ता है, लेकिन आप इसे कैसे जवाबदेह बनाते हैं, यह सवाल दुनिया में हर जगह बहुत प्रासंगिक बन गया है।

आज कोई भी कंपनी राष्ट्रीय कानूनों और विनियमों से ऊपर होने का दावा नहीं कर सकती। उन्हें कानून और समाज के प्रति जवाबदेह होना ही पड़ेगा। गौरतलब है, भारत सरकार ने अपने निर्देशों की पालना के लिए ट्विटर को 4 जुलाई तक का वक्त दिया था। ट्विटर कंपनी को ट्विटर अकाउंट और ट्वीट्स हटाने के लिए जनवरी 2012 से जून 2021 के बीच सरकार से 17,000 से अधिक अनुरोध प्राप्त हुए थे, जिनमें से ट्विटर ने सिर्फ 12.2 प्रतिशत अनुरोधों की ही पालना की है। ट्विटर ने लगभग 1,600 खातों और 3,800 ट्वीट्स को ही रोका है। दरअसल, ट्विटर 4 जुलाई की समय-सीमा के भीतर सरकार के सभी अनुरोधों को मानने पर सहमत नहीं था, तो उसने ऐसी मांग के लिए सरकार पर मुकदमा करने का फैसला किया।

सरकार ने ज्यादातर अनुरोध आईटी ऐक्ट के अनुच्छेद 69-ए के तहत भेजे थे। इस अधिनियम के तहत, केंद्र या उसके अधिकृत अधिकारी भारत की संप्रभुता, अखंडता, रक्षा, राज्य की सुरक्षा, विदेशी राज्यों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंधों या सार्वजनिक व्यवस्था के हित में या किसी को उकसाने से रोकने के लिए किसी सूचना को अवरुद्ध करने की मांग कर सकते हैं।

अच्छी बात है कि भारत सरकार ने आईटी नियमों में संशोधन का प्रस्ताव दिया है, जिसके तहत वह एक अपीलीय शिकायत निवारण पैनल का गठन करेगी, जिसके पास देश के कानून के अनुरूप कंपनी के शिकायत प्रकोष्ठ द्वारा लिए गए फैसलों को रद्द करने की शक्ति होगी। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने मंगलवार को दोहराया कि सभी सोशल मीडिया कंपनियों को देश के नियम-कायदों का पालन करना होगा। कंपनियों को न्यायिक समीक्षा की अपील का अधिकार है, लेकिन उन्हें सरकार के सभी नियमों का पालन तो करना ही होगा।

भारत में ट्विटर ने ही नहीं, फेसबुक के स्वामित्व वाले वाट्सएप ने भी जवाबदेही लागू करने वाले नियमों को रोकने के लिए भारत सरकार के खिलाफ दिल्ली उच्च न्यायालय में मामला दायर किया है, जिसमें नए आईटी नियमों को लागू होने से रोकने की मांग की गई है। नए नियमों के तहत वाट्सएप जैसे महत्वपूर्ण सोशल मीडिया माध्यम के लिए जरूरी हो गया है कि वह विशेष संदेशों की उत्पत्ति का स्रोत बताए। जिस तरह से नफरत या झूठ के प्रसार के लिए वाट्सएप का इस्तेमाल बढ़ा है, उसे देखते हुए यह सरकार के लिए जरूरी है कि गलत सूचनाओं के स्रोतों पर लगाम लगाए। जाहिर है, इसके लिए सोशल मीडिया कंपनियों को बाध्य करना जरूरी है। भारत के साथ ही, दुनिया भर की सरकारें जहां इन कंपनियों को चुनौती दे रही हैं, वहीं दूसरी ओर, ये चतुर या धूर्त कंपनियां जवाबदेही और पारदर्शिता के लिए मजबूर करने वाले नियमों के खिलाफ लड़ने के लिए अपनी पूरी ताकत का इस्तेमाल कर रही हैं।

भारत को अपनी जमीन पर मजबूती से खड़ा होना चाहिए। स्पष्ट और मजबूत नियम-कायदे बनाने की प्रक्रिया जारी रखनी चाहिए। सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि कानून में कोई अस्पष्टता न रहे, ताकि कंपनियां जांच से बचने के लिए नियमों की कमियों का फायदा न उठाएं। उपयोगकर्ताओं के अधिकारों की रक्षा करते हुए सोशल मीडिया से लाभान्वित होने के लिए जांच और संतुलन जरूरी है।

मुख्तार अब्बास नकवी ने मंत्री पद से दिया इस्तीफा

नई दिल्ली, 06 जुलाई (एजेन्सी)। केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है। सूत्रों के मुताबिक, बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करने के बाद उन्होंने केंद्रीय मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया।

इससे पहले कैबिनेट की बैठक के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नकवी के योगदान की सराहना की। इससे पहले बुधवार को ही दोपहर में नकवी ने भाजपा मुख्यालय जाकर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे. पी. नड्डा से भी मुलाकात की थी।

दरअसल, केंद्रीय मंत्री होने के साथ ही मुख्तार अब्बास नकवी राज्यसभा में उपनेता का भी दायित्व संभाल रहे थे। उनका राज्यसभा का कार्यकाल 7 जुलाई को समाप्त हो रहा है, लेकिन इस बार पार्टी ने उन्हें किसी भी राज्य से राज्यसभा में नहीं भेजा और ऐसे में मंत्री पद से उनका इस्तीफा तय ही माना जा रहा था।

मंत्रिमंडल से इस्तीफा देने के बाद एक बार फिर से उनके राजनीतिक भविष्य को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। हालांकि औपचारिक तौर पर पार्टी या सरकार की तरफ से उनकी भविष्य की भूमिका को लेकर कुछ नहीं बताया जा रहा है। लेकिन सूत्रों की माने तो पार्टी या सरकार की तरफ से जल्द ही उन्हें बड़ी भूमिका देने की घोषणा की जा सकती है।

बता दें कि भाजपा के सहयोगी दल जेडीयू कोटे से मंत्री बने आर. सी. पी. सिंह का कार्यकाल भी 7 जुलाई को समाप्त हो रहा है और उनका इस्तीफा देना भी तय माना जा रहा है। कैबिनेट की बैठक में प्रधानमंत्री ने नकवी के साथ-साथ उनके योगदान की भी सराहना की थी।

घिनौने खेल पर लगाम जरूरी

सुशील देव

किडनी रैकेट का भांडा फूटा। दो डॉक्टरों समेत दस गिरफ्तार। एम्स के पास ऑर्गन ट्रांसप्लांट का गिरोह सक्रिय, बड़ा एक्शन।

20-30 साल के लोगों को बनाता था टारगेट। दलालों से बचकर निकले पीड़ित ने खोली रैकेट की पोल। क्या कोरोना से मृत लोगों की किडनी भी निकालकर बेची गई? किडनी निकालने के लिए सोनीपत में बना रखा था ऑपरेशन थिएटर।

पिछले दिनों अखबारों की यह सुर्खियां चौंकाने वाली रही। इस धंधे में लिप्त कई बड़े खुलासे हुए। पुलिस ने धरपकड़ की, अब वो कानूनी शिकंजी में हैं, लेकिन आज भी सैकड़ों लोग हैं जो किडनी रैकेट के घिनौने खेल में शामिल हैं। कहीं बहला-फुसलाकर तो कहीं धोखे से इसका शिकार बनाया जा रहा है। इस धंधे का इतना बड़ा जाल है कि इसे खत्म करना आसान नहीं। पाप की दुनिया का यह किडनी रैकेट कोई नया खेल नहीं। निश्चित रूप से यह पैसों का खेल है जिसमें धंधे वालों को मुंहमांगी रकम मिल जाती है। सवाल उठता है कि इस रैकेट के पीछे मंशा क्या है? स्पष्ट है कि काली कमाई करने के लिए यह धंधा बेजोड़ है। पिछले दिनों दिल्ली में सक्रिय इस रैकेट का भंडाफोड़ हुआ तो पुलिस ने 2 डॉक्टरों समेत 10 लोगों को गिरफ्तार किया। पकड़े गए आरोपित दिल्ली, हरियाणा और उत्तराखंड के थे। इनमें से एक एम्स के पास उन लोगों के ब्लड और अन्य टेस्ट कराता था, जिनकी किडनी निकाली जानी होती थी।

शिकार में फंसे लोगों की सोनीपत के गोहाना ले जाकर किडनी निकाली जाती थी। वहां आरोपितों ने ऑपरेशन थिएटर बना रखा था। पुलिस ने इस रैकेट का शिकार हुए उन 4 लोगों को बचाया, जिनकी किडनी निकाली जानी थी। शिकार में फंसाए गरीब लोगों को 2 से 3 लाख रुपये प्रति किडनी दिया जाता था और उनकी निकाली हुई किडनी को 20-30 लाख और इससे भी अधिक कीमत पर बेचा जाता था। इस मामले में दूसरे राज्यों के भी तार जुड़े हुए मिले। लैपटॉप मोबाइल या डिजिटल माध्यमों से फर्जी अकाउंट बनाकर किडनी बेचे जाने का गोरखधंधा चलाया जा रहा था। पुलिस की माने तो इसकी तह में जाने से कई बड़े नाम सामने आ सकते हैं।

पुलिस के शिकंजे में आया एक आरोपित कुलदीप शर्मा उर्फ केडी को इसका मास्टरमाइंड बताया गया। इसका गिरोह लोगों को बहला-फुसलाकर, ब्रेनवाश करके अथवा धोखे से फांसता था और ऑपरेशन थिएटर तक ले जाता था। उसकी किडनी निकाली जाती थी। इनमें ज्यादातर 20- 30 साल की उम्र वाले गरीब लोग होते थे। पुलिस के मुताबिक झारखंड निवासी पिंटू ने किडनी रैकेट की तब पोल खोली, जब वह इस गिरोह से छूटकर भागने में कामयाब हो गया। पिंटू दुबई में शेफ की नौकरी करता था, जुए में सब कुछ हार कर दिल्ली आ गया था। नौकरी की तलाश में रकाबगंज गुरुद्वारे के पास रहता था। एक दिन किडनी रैकेट के दो एजेंट सर्वजीत और विपिन उससे टकरा गए। उनका ब्रेनवाश किया और कहा कि अच्छी नौकरी मिल जाएगी। पिंटू ने कहा कि उसकी तबीयत ठीक नहीं है तो दोनों आरोपित ने उसे समझाया, सारा टेस्ट फ्री में करा देंगे। जब उसे टेस्ट के लिए लैब में ले जाया गया तो वहां के एक स्टाफ में पूछ लिया कि क्या आप किडनी डोनेट करने आए हो? इतना सुनते ही उसका दिमाग सन्न रह गया। उसने हौज खास थाने को तत्काल इसकी सूचना दी जिस पर पुलिस ने रैकेट का पर्दाफाश किया। विशेषज्ञों की मानें तो किडनी रोगी जितनी संख्या में आ रहे, उतनी उन्हें नई किडनी प्रदान करना बेहद मुश्किल हो रहा है। ऐसे में अस्पतालों में बैकलॉग को कम करना जरूरी है। जानकारी के मुताबिक औसतन 2 लाख किडनी ट्रांसप्लांट की हर साल जरूरत होती है, लेकिन केवल 5000 ही ट्रांसप्लांट हो पाते हैं। बड़ी संख्या में बैकलॉग रहता है। बाकी ट्रांसप्लांट की तुलना में आसान सर्जरी और एक किडनी से भी लोग जिंदा रह सकते हैं, इस वजह से किडनी रैकेट का धंधा फलता-फूलता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार ब्रेन डेथ के बाद अंगदान को बढ़ावा देकर ही इस समस्या का हल निकाला जा सकता है। आने वाले दिनों में अब ब्रेन डेथ के साथ-साथ डोनेशन आफ्टर कार्डियक डेथ तकनीक के इस्तेमाल की भी तैयारी चल रही है। अगले कुछ महीनों में एम्स में इस तकनीक से डोनेशन शुरू करने की योजना है।

भारत में अंगदान की परंपरा कम है, इसमें जागरूकता लाने की जरूरत है। इन दिनों भारत में 30 लाख पर एक आदमी डोनेशन करता है, जबकि अमेरिका में 10 लाख पर 20 आदमी अंग डोनेट करते हैं। आंकड़े की बात करें तो 138 करोड़ की आबादी वाले देश में 2020 में महज 5,886 किडनी ट्रांसप्लांट हुए। इनमें से सिर्फ 351 ही ब्रेन डेथ के बाद हुए अंगदान से या संभव हो पाया, जबकि डोनेशन आफ्टर कार्डियक डेथ तकनीक से केवल चार डोनेशन हुए। इसे बढ़ावा दिया जाना चाहिए। अभी केवल किडनी और लीवर इस विधि से निकाले जा रहे हैं, लेकिन इसे लेकर नये सिरे से गाइडलाइन और प्रोटोकॉल लाने की तैयारी चल रही है। अगर ब्रेन डेथ के साथ-साथ डोनेशन आफ्टर कार्डियक डेथ भी शुरू हो जाएगा तो निश्चित रूप से इसका असर सकारात्मक हो सकता है और किडनी रैकेट पर लगाम लग सकती है।

घर की सीढ़ियों को प्लांट्स की मदद से कुछ इस तरह करें डेकोरेट हरा-भरा लगेगा घर

आज के समय में हर व्यक्ति अपने घर में प्लांट्स को जगह देने लगा है। भले ही उसका घर स्पेशियस हो या फिर छोटा, यह प्लांट्स किसी भी घर को बेहद खूबसूरत बनाते हैं। इतना ही नहीं, अमूमन लोग अपनी सुविधा व स्पेस को देखते हुए हैंगिंग गार्डनिंग से लेकर बालकनी व टेरेस में भी गार्डनिंग करना काफी पसंद करते हैं। लेकिन घर का एक एरिया ऐसा भी है, जहां पर अगर प्लांट्स लगाए जाएं तो पूरे घर का मेकओवर हो सकता है और फिर इसके बाद आपको अलग से किसी अन्य एरिया में प्लांट्स लगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

यह एरिया है आपकी सीढ़ियां। घर की सीढ़ियों को अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है, लेकिन वास्तव में यही सीढ़ियां आपके पूरे घर का लुक बदल सकती हैं। अगर आप इन्हें एक नेचुरल व ब्यूटीफुल टच देना चाहती हैं तो वहां पर गार्डनिंग करना एक अच्छा आईडिया है। आप सीढ़ियों पर उन प्लांट्स को लगाएं, जिन्हें सीधी धूप या बहुत अधिक रख-रखाव की आवश्यकता ना हो। तो चलिए आज इस लेख में हम जानते हैं कि आप अपने घर में सीढ़ियों को प्लांट्स की मदद से किस तरह और भी अधिक खूबसूरत बना सकती हैं-

वर्टिकल गार्डनिंग

जब सीढ़ियों पर प्लांटिंग करने की बात हो तो ऐसे में वर्टिकल गार्डनिंग करना एक अच्छा आईडिया है। यह वास्तव में काफी कम स्पेस लेता है, लेकिन इस तरह आप अपनी सीढ़ियों के एरिया को पूरी तरह से ट्रांसफॉर्म कर सकती हैं। आप कोशिश करें कि सीढ़ियों की एक साइड की दीवार पर आप वर्टिकल गार्डनिंग के लिए स्टैंड को हैंग करें और उसमें बेहद ही खूबसूरत स्मॉल साइज के पौधे लगाएं। यह देखने में बेहद ही ब्यूटीफुल लगेगा।

यूं दें एलीगेंट लुक

अगर आप अपनी सीढ़ियों को एक बेहद ही एलीगेंट तरीके से सजाना चाहती हैं तो आप पॉटेड प्लांट्स को सीढ़ियों पर रखें। खासतौर से, अगर आपकी सीढ़िया ब्रुडन की हैं तो आप कॉन्ट्रास्टिंग कलर के एक बिग साइज पॉट को सीढ़ी पर रख सकती हैं। हालांकि, अगर आप ऐसे अपनी सीढ़ियों को सजा रही हैं तो अन्य पॉट्स को घर के किसी दूसरे कोने में प्लेस करें।

स्नेकप्लांट्स लगेंगे बेहद खूबसूरत

यह भी एक तरीका है सीढ़ियों को सजाने का। इसके लिए आप कई पॉट्स में केवल स्नेकप्लांट्स ही लगाएं। अब आप इन पॉट्स को अपनी हर सीढ़ी के उपर रखती जाएं। यह ना केवल देखने में अच्छे लगते हैं, बल्कि आपके घर की हवा को भी नेचुरली प्यूरिफाई करने में मदद करते हैं। इसके बाद आपको अलग से एयर प्यूरिफायर खरीदने की जरूरत महसूस नहीं होगी।

रेलिंग पर करें फोकस

जब आप सीढ़ियों पर गार्डनिंग कर रही हैं तो सिर्फ उसकी साइड की दीवार या स्टेप्स के साथ ही आप क्रिएटिव नहीं हो सकतीं, बल्कि रेलिंग का लुक भी बदल सकती हैं। आप मनी प्लांट्स से लेकर अन्य कई प्लांट्स को रेलिंग पर लगा सकती हैं। हालांकि, आप रेलिंग के लिए ऐसे प्लांट्स को चुनें, जिनकी लताएं नीचे की ओर बढ़ती जाएं, ताकि यह आपकी पूरी रेलिंग को कवर कर सकें और देखने में भी खूबसूरत लगे।

सीढ़ियों के नीचे का स्पेस

अगर आपकी सीढ़िया घर में कुछ इस तरह बनी हुई हैं कि उनके नीचे आपके पास काफी सारा स्पेस बचता है, तो वहां पर भी प्लांटिंग करना अच्छा आईडिया है। अगर आप चाहें तो इस एरिया में एक मिनी गार्डन तैयार कर सकती हैं। आप यहां पर तरह-तरह के खूबसूरत प्लांट्स रख सकती हैं। साथ ही कुछ पेबल्स व लाइटिंग के जरिए इस लुक को और भी खास बनाएं। यकीन मानिए, इस एरिया में जब आप कुछ फुरसत के पल बिताएंगी, तो आपको बेहद ही अच्छा लगेगा।

...अगर आपका बच्चा भी करता है बिस्तर गीला

कई बार बच्चे 1 साल से बड़े होने के बाद भी बिस्तर पर ही पेशाब कर देते है। अक्स पेरेंट्स बच्चे की इस आदत को लेकर परेशान रहते है लेकिन बच्चे का बार-बार ऐसा करना किसी परेशानी के कारण भी हो सकता है। कई बार तो बच्चे रात में डर के कारण बिस्तर गीला कर देते है लेकिन इसके अलावा बच्चे यूरिन इंफेक्शन, तनाव, पुरानी कब्ज या असंतुलित हार्मोन के कारण ऐसा करते है।

अगर आपका बच्चा भी ऐसा कर रहा है तो इससे आपको परेशान होने की जरुरत नहीं। इस समस्या को आप कुछ असरदार घरेलू नुस्खे से दूर कर सकते हैं। आइए जानते है किन उपायों द्वारा बच्चे की इस परेशानी को दूर किया जा सकता है।

बच्चों को बार-बार यूरिन आने के कारण

- ब्लैडर में इंफेक्शन
- ब्लड शुगर के कारण
- प्रॉस्टेट ग्रंथि में यूरिन का बढ़ना
- ज्यादा कॉफ़ी या चाय का सेवन
- पेट में कीड़े की समस्या
- मूत्राशय में पेशाब जमा करने की क्षमता कम होना

इसके घरेलू उपचार

अखरोट

2 अखरोट और 20 किशमिश को पीसकर चूर्ण बना लें। 3 हफ्ते तक बच्चे को इसका सेवन कराने से यह समस्या दूर हो जाएगी।

पिस्ता

5 काली मिर्च, 3 पिस्ता और मिनका पीस लें। दिन में दो बार बच्चे को यह चूर्ण खिलाने से उसकी यह परेशानी दूर हो जाएगी।

काले तिल

50 ग्राम काले तिल, 25 ग्राम अजवाइन और 100 ग्राम गुड़ को मिलाकर 8-8 ग्राम के लड्डू बना लें। बच्चे को रोजाना सुबह-शाम 1 लड्डू खिलाने से उसकी पेशाब की बीमारी ठीक हो जाएगी।

शहद का सेवन

रोजाना रात को सोने से पहले बच्चे को नियमित रूप से शहद चटा दें। कुछ हफ्तों में ही बच्चे को बार-बार यूरिन आने की परेशानी से छुटकारा मिल जाएगा।

अजवाइन

1 चम्मच अजवाइन में नमक मिलाकर बच्चें को गर्म पानी से सात खिला दें। दिन में 2 बार इसका सेवन बार-बार यूरिन आने की समस्या से निजात दिलाता है।

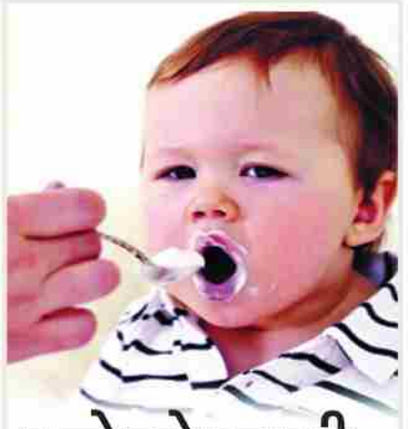

बच्चे को घर की बनी चीजें खाने की आदत डालें

बच्चे और हैल्दी फूड तो मानों एक दूसरे से मेल ही नहीं खाते लेकिन बच्चों के विकास के लिए संतुलित भोजन बहुत जरूरी है। इससे न सिर्फ शारीरिक विकास होता है बल्कि भविष्य के लिए भी खाने की अच्छी आदतें फायदेमंद साबित होती हैं। जंक फूड, पिज्जा, बर्गर, चिप्स आदि बच्चे बहुत चाव से खाते हैं लेकिन खाने में ये टेस्टी तो होते हैं लेकिन सेहत को फायदे की जगह नुकसान पहुंचाने का काम करते हैं। जो आने वाले समय में मोटापा, डायबिटिज, हाई बीपी, स्ट्रोक, दिल की बीमारियां आदि होने का कारण बनते हैं। शुरू से ही अगर बच्चे को घर की बनी चीजें खाने की आदत डाल दी जाए तो उसके लिए बहुत अच्छा होगा।

बताएं हैल्दी चीजों का महत्व

बच्चे में अनुशासन, पढ़ाई के साथ-साथ खाने की अच्छी आदतों का होना भी बहुत जरूरी है। उन्हें बताएं कि घर का बना खाना खाना आपके लिए कितना अच्छा है। बाहर का खाना न तो हैल्दी होता है और न ही साफ-सुथरा। कभी-कभी बच्चों को उनकी पसंद का खाना घर पर ही बना कर खिलाएं।

एक जगह बिठा कर करवाएं भोजन

ज्यादातर बच्चों को खाना खाते समय घूमने की आदत होती है जो एक गलत आदत है। बच्चे को रोजाना एक ही जगह पर बिठा कर खाना खिलाएं और बार-बार की बजाए एक ही बार में खाना खाने को कहें लेकिन जबरदस्ती न करें।

टेस्ट में करें बदलाव

एक ही तरह का खाना खाकर बच्चे बोर हो जाते हैं, खाना का टेस्ट बरकरार रखने के लिए उनके डाइट प्लान में कभी स्नैक्स, जूस, सूप, फ्रूट सलाद आदि के साथ खाने में ट्विस्ट लाएं।

कामकाजी महिला हैं तो इस तरह रहें बच्चे के करीब

औरतों को घर और ऑफिस के काम एक साथ संभालने का हुनर बहुत अच्छी तरह से आता है। कई बार समय की कमी के कारण वह अपने बच्चों को उतना समय नहीं दे पाती, जितना कि उसके बच्चों को मां के साथ की जरूरत होती है।

बच्चों के साथ समय बिताकर आप उनके दिल की बातों को अच्छी तरह से जान सकते हैं लेकिन आप भी काम के तनाव की वजह से परेशान हैं और बच्चों के कटी-कटी रहती हैं तो कुछ स्मार्ट टिप्स आपके काम आ सकते हैं जो बच्चे के साथ आपके रिश्तों के पहले से भी ज्यादा मजबूत बना देंगे।

बच्चों से करें दिनभर की बातें

रात को आपके पास परिवार के साथ समय बिताने के सबसे अच्छा बहाना होता है। डिनर के समय पति और बच्चों के साथ ही खाना खाएं। दिन भर की बातें परिवार के साथ शेयर करें और उनकी बातें सुनें। इससे बच्चों का आपके साथ प्यार बढ़ेगा और वह आपसे बातें करने के लिए बेताब रहेगा।

काम में लें बच्चों की मदद

बच्चे तब बहुत खुश होते हैं जब आप उनसे किसी बात के लिए मदद मांगते हैं। कभी-कभी प्यार से बच्चे को आपकी मदद करने के लिए कहें जैसे खाना बनकर तैयार है तो उसे डाइनिंग टेबल सजाने के लिए कह सकते हैं। उसकी पसंद की डिश बना रही हैं तो उससे परोसने के लिए मदद ली जा सकती है।

मस्ती भी जरूरी

बच्चों के करीब आने के लिए उनके साथ कभी-कभी खुद भी बच्चे बनना पड़ता है। आप परिवार के साथ कुछ ऐसे गेम्स खेल सकते हैं जिसे बच्चे पूरी तरह से एंज्वाय भी करें और उन्हें कुछ सीखने के लिए भी मिले। जैसे हॉट सीट, पर्ची पर सारे सदस्यों का नाम लिखें, जिसके नाम की पर्ची निकले वह हॉट सीट पर बैठे और बाकी के सदस्य उससे सवाल पूछें। जो सबसे ज्यादा सही जवाब दे उसे शॉपिंग या पिंकनिक का गिफ्ट दिया जा सकता है।

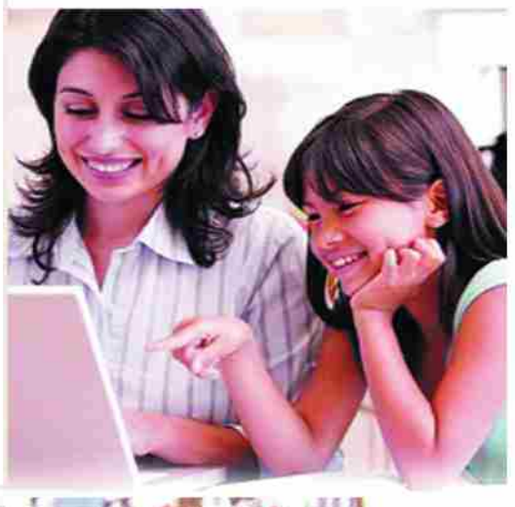

जुड़वां बच्चे होने पर दिखते हैं ये लक्षण!

प्रैग्नेंसी हर महिला की जिंदगी का सबसे अहम पल होता है। जब किसी औरत को मां बनने की खुशी मिलती है तो उसके साथ पूरा परिवार खुश हो उठता है। हर औरत के मन में सबसे पहला सवाल उठता है कि उसका होने वाला बच्चा कैसा होगा, वहीं अगर गर्भ में जुड़वां बच्चों के पलने की खबर मिल जाए तो खुशी दोगुणा बढ़ जाती है। जुड़वा बच्चों के होने पर गर्भवती महिला के शरीर में कुछ लक्षण दिखाई देते है, जिनके बारे में अक्सर महिलाओं को नहीं पता होता। आज हम आपको उन्ही लक्षणों के बारे में बताने जा रहे है, जिनसे पता जलता है कि गर्भ में जुड़वा बच्चे पल रहे है।

मॉर्निंग सिकनेस

गर्भवती महिला को मॉर्निंग सिक्नेस रहना भी एक संकेत हो सकता है। 50 प्रतिशत से अधिक महिलाओं को गर्भावस्था के प्रारंभिक चरण में ही मतली और जी मिचलाना महसूस हो सकती है। जिन गर्भवती महिलाओं को जुडवा बेबी होने वाले होते है उन्होंने बाकी गर्भवती महिलाओं की तुलना में अधिक मार्निंग सिक्नेस रहती है।

ब्लीडिंग और स्पॉटिंग

जिस महिला को जुड़वा होने वाली होती है, उन्हें स्पॉटिंग और ब्लीडिंग अधिक होती है। यदि ब्लीडिंग के साथ बुखार और लाल खून के धब्बे पड़ रहे है तो इसमें डरने की कोई बात नहीं है क्योंकि यह जुड़वा बच्चों की निशानी हो सकती है।

वजन बढ़ना

अगर वजन सामान्य गर्भावस्था की तुलना से अधिक है तो भी जुड़वां बच्चे होने का संकेत हो सकता है। एक औसत गर्भावस्था में सामान्य वजन 25 पाउंड होता है, जबकि जुड़वां गर्भावस्था में वजन 30 से 35 पाुंड के बीच होता है।

अधिक भूख लगना

जुड़वां बेबी होने पर गर्भवती महिला को अधिक भूख लगती है। इसलिए जब आपको साथ भी ऐसा हो तो एक बार डॉक्टर से सलाह जरूर लें क्योंकि यह कोई और बात भी हो सकती है।

पेट में दर्द होना

जुड़वां गर्भवती महिला के सामान्य से ज्यादा पेट में दर्द रहने लगता है यह दर्द शरीर को अधिक वजन होने के कारण भी हो सकता है। इसलिए इस बात के बारे में एक बार डॉक्टर से जरूर बात करें।

बच्चों के मां-बाप नहीं दोस्त बनें

हर मां- बाप चाहते हैं कि उनकी बेटिया पढ़ लिखकर जिंदगी में कामयाब बने। बेटियों को आगे बढ़ाने के लिए पेरेंट्स उन्हें घर से बाहर दूसरे शहरों में भी पढ़ने के लिए भेजते हैं लेकिन दिन-प्रतिदिन लड़कियों के खिलाफ बढ़ते अपराध को देखकर कुछ मां- बाप अच्छी नौकरी या पढ़ाई के लिए उन्हें बाहर भेजने से डरने लगे हैं। उन्हें हर पल यही फिक्र सताती है कि उनकी बच्ची सही सलामत है या नहीं। अगर आपके घर में लड़कियां हैं और वह पढ़ाई करने, नौकरी करने या किसी अन्य काम से रोजाना घर से बाहर जाती हैं या घर से दूर कहीं बाहर रहती हैं। तो माता- पिता होने के नाते आपको कुछ सावधानियां बरतने की खास जरूरत है ताकि वह हर छोटी से छोटी बात भी आपसे शेयर कर सके। तो आइए जानते हैं उन बातों के बारे में जो आपकी बच्ची को घर के बाहर भी सुरक्षित रख सकती हैं।

मोबाइल भी जरूरी

कुछ मां- बाप की सोच है कि मोबाइल फोन से बच्चों पर बुरा प्रभाव पड़ता है। वह पढ़ना-लिखना छोड़ देंगे और पूरा दिन सिर्फ मोबाइल फोन पर ही लगे रहेंगे लेकिन बेटियों के पास मोबाइल फोन होना जरूरी है। वह कहीं बाहर गई हो और घर वापसी में लेट हो जाए तो आपको फोन करके बता सकती हैं। इसके अलावा अगर कभी कोई मुसीबत आती है तब भी वह आपको फोन कर सकती हैं। बच्चों का दोस्त बनना बहुत जरूरी है अगर आप उनके साथ दोस्तों जैसा व्यवहार करेंगे तो वह खुल कर आप से हर बात शेयर कर पाएंगे। जब आपको उसके बारे में हर बात पता होगी तो आप अपनी बच्ची को परेशानियों से बचा सकते हैं।

थोड़ी दूरी भी बनाएं

बच्चों को स्पेस देना भी जरूरी है हर वक्त उनके पीछे परछाई की तरह लगने रहने से वह परेशान हो जाएगी। इससे आपका बच्चा धीरे-धीरे आप से दूर होता चला जाएगा और कभी आप पर भी भरोसा नहीं करेगा। खुद का भरोसा बच्चे पर बनाने के लिए कुछ समय उसे अकेले भी समय बिताने का मौका दें ताकि उन्हें पता चल सके कि क्या सही है और क्या गलत।

दोस्तों की जानकारी

आपको उनके दोस्तों के बारे में पता होना जरूरी है वह पूरा दिन कौन से दोस्तों के साथ रहती है इस बात की पूरी जानकारी होनी चाहिए। इस बात को सुनिश्चित करें की उसकी संगत अच्छी हो। अपने बच्चे ही नहीं बल्कि उनके दोस्तों से भी दोस्ती बनाएं।

आत्मरक्षा के तरीके

बेटियों को आत्मरक्षा करने के लिए तरीके बताएं। आजकल तो बहुत से स्कूलों और कॉलजों में बच्चों को कराटे और बहुत-से ऐसे टिप्स बताए जाते है जिनसे वह अकेली होने पर अपनी रक्षा कर सके। लड़कियों को कभी भी कमजोर या अकेला महसूस न होने दें।

अपनी राय न थोपें

बच्चों को अच्छी बुरी के बातों के बीच फर्क बताना जरूरी है लेकिन उन पर अपनी राय थोपना गलत है। जब आप उनकी हर बात पर अपनी राय थोपेंगे तो वह बहुत-सी बातों को आप छीपाएगी। जो उसके लिए बाद में परेशानियां खड़ी कर सकती हैं।

पाकिस्तान: लुटेरा होने के संदेह में युवक की भीड़ ने पीट-पीटकर कर दी हत्या, पुलिस जांच में पाया गया बेकसूर

कराची। पाकिस्तान के जिस व्यक्ति की पिछले सप्ताह कराची में लुटेरा होने के संदेह में भीड़ ने पीट-पीटकर हत्या कर दी थी, वह बेकसूर था और निजी विवाद के चलते उसके पड़ोसियों ने उसे जानबूझ कर फंसाया था। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। घटना के चलते मृतक के परिजनों और कस्बा कॉलोनी में उसके आस-पड़ोस के लोगों ने उसकी अंत्येष्टि के दौरान हिंसक विरोध प्रदर्शन किया था, जिसमें दो लोग मारे गए थे। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, मारूफ उस्मान ने कहा कि एक समिति द्वारा जांच के बाद यह पाया गया कि भीड़ द्वारा पीट-पीट कर मार डाला गया व्यक्ति लुटेरा नहीं था और स्नूकर क्लब में विवाद होने के बाद उसके तीन पड़ोसियों ने उसे फंसाया था। उन्होंने कहा, 'वह निर्दोष था और व्यक्तिगत विवाद के कारण उसे जानबूझकर उसके पड़ोसियों द्वारा लूटपाट के लिए फंसाया गया था। उन्होंने यह भी कहा कि लूट की कोई घटना नहीं हुई थी।' पाकिस्तान के सबसे बड़े शहर में संदिग्ध लुटेरों और अपराधियों को पीट-पीट कर मार डालने की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं, क्योंकि सड़क पर होने वाले अपराधों और लूटपाट से तंग आ चुके लोग कानून अपने हाथ में लेने को प्राथमिकता दे रहे हैं। मारूफ ने बताया कि इस घटना में उस व्यक्ति का अपने पड़ोस के एक स्नूकर क्लब में अपने तीन पड़ोसियों के साथ विवाद हो गया था। उन्होंने बताया, 'उनके बीच हाथापाई होने के बाद, संदिग्ध व्यक्ति भागने लगे और शोर मचाना शुरू कर दिया कि लुटेरे उनका पीछा कर रहे हैं। इसके बाद, भीड़ जमा हो गई और पीछा करने वाले व्यक्तियों की पिटाई की, जिनमें से एक की बाद में अस्पताल में मौत हो गई। जबकि उसका एक दोस्त बुरी तरह घायल हो गया और एक अन्य को पुलिस ने बचा लिया। मारूफ ने कहा, 'पुलिस द्वारा की गयी पूरी जांच में यह पता चला कि वह व्यक्ति (मृतक) निर्दोष था।' मारूफ ने कहा कि उन्होंने इलाके के बुजुर्गों की मदद से सच्चाई का पता लगाया। उन्होंने खेद व्यक्त करते हुए कहा कि इस तरह की दुखद घटनाएं समाज में असहिष्णुता और भीड़ की मानसिकता के स्तर को दर्शाती हैं।

अब चांद पर कब्जा करना चाहता है चीन, नासा ने किया चौंकाने वाला दावा, मिशन स्पेस को बताया मिलिट्री प्रोग्राम

बीजिंग। अंतरिक्ष क्षेत्र बेहद ही महत्वपूर्ण और विशाल आयाम आने वाले वॉर वेयर के अंदर होने वाला है। इस वजह से विश्व के सुपर पावर मुल्क अपने-अपने तरीके से यहां अपना आधिपत्य जमाने की कोशिश कर रहे हैं। इसी कड़ी में नासा ने चीन के स्पेस मिशन को एक मिलिट्री प्रोग्राम बताया है। चीन चांद के ऊपर पूरा कंट्रोल चाहता है। नासा की तरफ से दावा किया गया है कि चीन स्पेस में दूसरे देशों के सैटेलाइट को नष्ट करना चाहता है। जर्मन अखबार बिल्ड में नासा के एडमिस्ट्रेटर बिल निल्सन ने ये खुलासा किया है। बिल निल्सन की तरफ से किए दावे पर आधारित रिपोर्ट के अनुसार चीन अपने स्पेस स्टेशन में दूसरे देशों के सैटेलाइट को उड़ाए जाने को लेकर रिसर्च कर रहा है। चांद के साउथ पोल पर पानी के भंडार से वहां रॉकेट फ्यूल बनाया जा सकता है। इसी पर पूरी दुनिया की नजर है। अमेरिका चीन को दुनिया का सबसे बड़ा साइबर खतरा मानता रहा है। अब स्पेस में भी अमेरिका चीन को सबसे बड़ी मिलिट्री खतरा मान रहा है। आपको याद होगा कि कुछ दिनों पहले ये खबर आई थी कि चांद के ऊपर दो जगह रॉकेट के गढ्ढे बने थे। उसे खारिज कर दिया गया कि ये रॉकेट हमला नहीं है और इस पर जांच भी नहीं हुई। चीन जिस तरह से मिसाइल सिस्टम बना रहा है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजियन ने आरोपों का जवाब देते हुए कहा कि यह पहली बार नहीं है, जब यूएस नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन के प्रमुख ने तथ्यों की अनदेखी की है और चीन के बारे में गैर-जिम्मेदाराना बात की है। उन्होंने कहा, 'अमेरिकी पक्ष ने चीन के सामान्य और उचित बाहरी अंतरिक्ष प्रयासों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया है और चीन इस तरह की गैर-जिम्मेदाराना टिप्पणियों का कड़ा विरोध करता है।

फिल्म काली पर विवाद के बाद आयोजकों ने जताया खेद, कनाडा में अब नहीं होगी फिल्म की स्क्रीनिंग

टोरंटो । फिल्म काली पर विवाद के बाद अब आयोजकों ने हिंदुओं की धार्मिक भावनाएं आहत होने पर खेद जताया है। फिल्ममेकर लीना मणिमेकलई की डॉक्यूमेंट्री फिल्म काली के पोस्टर और वीडियो पर हुए बवाल के बाद आयोजकों ने यह तय किया है कि अब फिल्म की स्क्रीनिंग नहीं की जाएगी। टोरंटो मेट्रोपॉलिटन यूनिवर्सिटी ने एक बयान में कहा कि इस फिल्म ने संवेदनशीलता पैदा की है और इस समय पर इसे फिर से दिखाने की कोई योजना नहीं है। आगा खां म्यूजियम में 'अंडर द टेंट' प्रोजेक्ट के तहत फिल्म काली दिखाई जानी थी, जिसका आयोजन टोरंटो मेट्रोपॉलिटन यूनिवर्सिटी ने किया जाना था। हिंदू देवी-देवताओं की बेअदबी के इस मामले को लेकर पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर देश-विदेश में गुस्सा है। इस पूरे मामले पर भारत के उच्चायोग ने भी आयोजकों से चिंता जाहिर की थी। ओटावा में भारतीय उच्चायोग ने कनाडाई अधिकारियों से अपील की थी कि आपत्तिजनक सामग्री को वापस लिया जाए। आगा खां म्यूजियम ने एक बयान जारी कर कहा इस संग्रहालय को इस बात का गहरा खेद है कि 'अंडर द टेंट' के 18 लघु वीडियो में से एक और इसके साथ सोशल मीडिया पोस्ट में अनजाने में हिंदुओं और अन्य धार्मिक समुदायों के सदस्यों को आहत किया है। वहीं टोरंटो मेट्रोपॉलिटन यूनिवर्सिटी ने बयान जारी कर कहा हमें खेद है कि 2 जुलाई को हमारे 'अंडर द टेंट' प्रेजेंटेशन में कुछ सामग्री से लोगों की भावनाएं आहत हुई। हम इस मामले में कार्रवाई कर रहे हैं। यूनिवर्सिटी ने कहा कि हम समानता, विविधता और समावेश के लिए प्रतिबद्ध हैं, जबकि साथ ही हमारे समाज में विश्वासों और दृष्टिकोण की विविधता का सम्मान करते हैं। इसी बीच एक अन्य मामले में टोरंटो शहर ने सिख संगठन वर्ल्ड सिख ऑर्गेनाइजेशन से माफी मांगी है। कोविड के चलते टोरंटो शहर में क्लीन शेव पॉलिसी लागू की गई थी, जिसका पालन न करने के चलते करीब 100 सिख सुरक्षा गार्डस की नौकरी चली गई थी। यह पॉलिसी एन95 मास्क के सही फिटिंग के लिए लाई गई थी। इस मामले पर हरकत में आकर टोरंटो शहर ने बयान जारी करते हुए कॉन्ट्रेक्टरों से कहा है कि वह सभी सुरक्षा गार्ड को तुरंत वापस नौकरी पर रखें।

गैस की आपूर्ति पूरी तरह बंद होने के लिए तैयार रहना चाहिए : ईयू

ब्रसेल्स । यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयन ने कहा कि 27 देशों वाले यूरोपीय संघ को यूक्रेन और रूस के बीच जारी जंग के कारण रूस से मिलने वाली गैस की आपूर्ति पूरी तरह बंद होने के लिए तैयार रहना चाहिए। ईयू ने पहले से ही रूस पर, ऊर्जा आपूर्ति सहित कई प्रतिबंध लगाए हैं और वह क्रेमलिन नियंत्रित वस्तुओं की आपूर्ति से खुद को दूर कर रहा है, लेकिन लेयन ने कहा कि संगठन के सदस्य देशों को मास्को से झटके के लिए तैयार रहना चाहिए। उन्होंने फ्रांस के स्ट्रासबर्ग में ईयू विधायिका में कहा, हमें गैस की आपूर्ति रुकने की तैयारी अभी करनी चाहिए। रूस से प्राप्त होने वाली गैस की आपूर्ति पूरी तरह बंद हो सकती है।

उज्बेकिस्तान में हिंसक प्रदर्शनों में अब तक 18 से अधिक लोगों की जान गई, सैकड़ों घायल हुए

ताशकंद । मध्य एशियाई देश उजबेकिस्तान के स्वायत्त प्रांत काराकालपाकस्तान में पिछले हफ्ते भड़के प्रदर्शनों ने हिंसात्मक स्वरूप ग्रहण कर लिया है। इन प्रदर्शनों में अब तक 18 लोगों की मौत हो चुकी है। इस दौरान सुरक्षाबलों ने 516 प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया है। हालांकि बाद में इन सभी लोगों को रिहा कर दिया गया। नेशनल गार्ड ने बताया कि हिंसात्मक प्रदर्शनों को रोकने की कोशिशें की जा रही हैं। दो निर्वासित राजनेता इन प्रदर्शनकारियों के संपर्क में हैं और उनका मानना है कि मारे गए लोगों की संख्या कहीं ज्यादा है। सही आंकड़ें का पता लगा पाना असंभव है। राष्ट्रपति शौकत मिर्जियोयेव ने संविधान के उस आर्टिकल में संशोधन करने की योजना को शनिवार को रद्द कर दिया था जो काराकालपाकस्तान की स्वयत्ता और इसके अलग होने के अधिकार से जुड़ा था। उन्होंने इसके साथ ही इस उत्तर पश्चिमी इलाके में एक महीने के लिए आपातकाल की घोषणा कर दी थी। आधिकारिक रिपोर्ट के मुताबिक प्रदर्शनकारियों ने प्रांत की राजधानी नुकुस से पिछले शुक्रवार को एक मार्च निकाला। उन्होंने इसके साथ ही स्थानीय सरकार की कई इमारतों को भी जब्त करने की कोशिशें की थी। प्रॉसिक्यूटर जनरल के ऑफिस की तरफ से बताया गया है कि गंभीर चोट आने की वजह से 18 लोगों की मौत हो गई है। नेशनल गार्ड के मुखिया ने कहा कि मारे गए लोगों में 14 नागरिक और 4 कानूनी एजेंसियों के अधिकारी हैं। काराकालपाकस्तान, अरल सागर के किनारों पर स्थित है। कई दशकों ये इसे पर्यावरण के लिए तबाही की जगह माना गया है। यह जगह काराकलपाक्स विशिष्ट समुदाय का घर है। इस समुदाय की भाषा उजबेकिस्तान के बाकी लोगों से बहुत अलग है।

सिडनी मे आयी बाढ़ के बाद जोम्स टेलर व जोसुआ मेयर्स नाव के सहारे इलाके को पार करते हुए।

ब्लिंकन जी-20 के सम्मेलन में चीन के विदेश मंत्री से मिलेंगे

वाशिंगटन। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन इस हफ्ते इंडोनेशिया में होने जा रही जी 20 देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में अपने चीन के समकक्ष वांग यी के साथ वार्ता करेंगे। विदेश विभाग ने मंगलवार को एक बयान में बताया कि ब्लिंकन बाली में जी-20 देशों की बैठक में चीन के विदेश मंत्री यी से मुलाकात करेंगे। बयान में ब्लिंकन और रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के बीच मुलाकात होने की किसी संभावना का कोई जिक्र नहीं है। बता दें कि लावरोव भी जी-20 की बैठक में शामिल होंगे। ब्लिंकन और लावरोव की आखिरी बार मुलाकात इस साल जनवरी में स्विट्जरलैंड के जिनेवा में हुई थी और यह निष्फल साबित हुई थी, क्योंकि एक महीने बाद ही रूस ने यूक्रेन पर हमला कर दिया था। वहीं अमेरिका और चीन के रिश्तों में खींचतान बनी रहती है।

कराची में फंसे स्पाइसजेट के 138 यात्रियों को 11 घंटे बाद दुबई किया गया रवाना

- विमान को इंडिकेटर लाइट में खराबी के कारण कराची की ओर डायबर्ट करना पड़ा था

कराची (एजेंसी)।

दिल्ली से दुबई के लिए उड़ान भर रही स्पाइसजेट के एक विमान को इंडिकेटर लाइट में खराबी के कारण कराची की ओर डायबर्ट करना पड़ा। स्पाइसजेट एयरलाइन के प्रवक्ता की ओर से यह जानकारी दी। एयरलाइन के अनुसार विमान के कराची में लैंड करने के बाद यात्रियों को सुरक्षित उतारा गया, इस दौरान किसी आपात स्थिति की घोषणा नहीं की गई। हालांकि, बाद में वैकल्पिक विमान के जरिये 138 यात्रियों को कराची से दुबई के लिए रवाना किया गया। एयरलाइन के एक प्रवक्ता ने कहा कि 5 जुलाई 2022 को स्पाइसजेट के बी737 विमान की फ्लाइट एसजी-11 (दिल्ली-दुबई) को इंडिकेटर लाइट में खराबी के कारण कराची की ओर डायवर्ट किया गया था। विमान कराची में सुरक्षित लैंड हुआ। यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। इस दौरान आपात स्थिति की घोषणा नहीं की गई। विमान ने सामान्य लैंडिंग की।

विमान में उड़ान से पहले खराबी की कोई रिपोर्ट नहीं थी। यह घटना दिल्ली से जबलपुर की उड़ान भर रहे स्पाइसजेट क्यू400 एयरलाइन के केबिन में धुआं भरने के बाद वापस दिल्?ली लौटने के दो दिन बाद सामने आई है। यह विमान 5 हजार फीट की ऊंचाई

पर था, जब क्रू ने पहली बार धुआं देखा और स्मोक अलार्म बज गया। जब फ्लाइट 14 हजार फीट की ऊंचाई पर पहुंची तो धुआं बढ़ने लगा। इसके बाद उसने एयर ट्रैफिक कंट्रोल को जानकारी दी और सहायता मांगी। बाद में फ्लाइट को दिल्ली वापस लाया गया। सेफ लैंडिंग के बाद सभी यात्रियों को उतारा गया।

इससे पहले भी स्पाइसजेट के विमान को लेकर कई घटनाएं सामने आई हैं। 19 जून को दिल्ली से जबलपुर जा रही स्पाइसजेट के विमान को खराब के चलते फिर से दिल्ली लौटना पड़ा। दरअसल, जब विमान 5000 मीटर की फीट की ऊंचाई पर था तभी केबिन में अचानक से धुआं फैलने लगा। इसके चलते दिल्ली में विमान की लैंडिंग करानी पड़ी। इसके कुछ देर बाद दूसरे विमान से यात्रियों को जबलपुर ले जाया गया। वहीं इस घटना से पहले भी पटना में स्पाइसजेट का विमान पक्षी से टकरा गया था, जिसके चलते एक इंजन में आग लग गई थी। इसके बाद विमान की पटना एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई।

रूस को अलग थलग किये जाने के प्रयासों का समर्थन नहीं करने के लिए भारत की सराहना करते हैं: रूसी राजदूत

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

भारत में रूस के राजदूत डेनिस अलीपोव ने मंगलवार को कहा कि बहुपक्षीय मंचों पर उनके देश को अलग-थलग करने के प्रयासों का समर्थन नहीं करने के लिए रूस भारत की सराहना करता है और दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार बढ़ रहा है। अलीपोव ने यह भी कहा कि ब्रिक्स (ब्राजील-रूस-भारत-चीन-दक्षिण अफ्रीका) के विस्तार के विचार को डीजिटल माध्यम से समूह के हालिया शिखर सम्मेलन में सैद्धांतिक समर्थन मिला है, लेकिन उन्होंने कहा कि मामले में कोई भी जल्दबाजी प्रतिकूल हो सकती है। उन्होंने रूसी प्रकाशन 'स्पूतनिक' से बातचीत में कहा, 'ऐसी प्रक्रिया के सिद्धांतों, मानकों और प्रक्रियाओं के बारे में विस्तार से सोचना आवश्यक है, जिसे चर्चा और आम सहमति से विकसित किया जाना चाहिए।' भारत और रूस के संबंध में बारे में अलीपोव ने कहा कि यह साझेदारी एक गहरी रणनीतिक नींव पर टिकी है, जो न केवल मजबूत ऐतिहासिक जड़ों पर आधारित है, बल्कि भविष्य की वैश्विक व्यवस्था

के समान दृष्टिकोण पर भी आधारित है। उन्होंने कहा, 'हम यूक्रेन की घटनाओं के वस्तुनिष्ठ मूल्यांकन के लिए नई दिल्ली के आभारी हैं। स्पष्ट रूप से, वे मौजूदा भू-राजनीतिक और भू-आर्थिक स्थिति की पृष्ठभूमि को समझते हैं ... वे वर्तमान वैश्विक खाद्य और ऊर्जा संकट की उत्पत्ति में गैर कानूनी प्रतिबंधों की विनाशकारी भूमिका देखते हैं।' अलीपोव ने कहा कि भारत बहुपक्षीय मंचों पर रूस को अलग-थलग करने के प्रयासों का समर्थन नहीं करता है और अन्य प्रमुख वैश्विक तथा क्षेत्रीय समस्याओं की अनदेखी कर, अंतरराष्ट्रीय एजेंडे को संघर्ष तक सीमित करने की पश्चिम के रूख की आलोचना करता है। उनकी टिप्पणी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा यूक्रेन संकट की पृष्ठभूमि में वैश्विक ऊर्जा और खाद्य बाजारों की स्थिति पर चर्चा करने के कुछ दिनों बाद आई है।

बोरिस जॉनसन की बढ़ी मुश्किलें, वित्त मंत्री ऋषि सुनक और हेल्थ सेक्रेटरी साजिद जावेद ने दिया इस्तीफा

लंदन। (एजेंसी)।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन की मुश्किलें बढ़ती हुई दिखाई दे रही हैं। जानकारी के मुताबिक ब्रिटेन के वित्त मंत्री ऋषि सनक ने बोरिस जॉनसन की सरकार को संकट में डालते हुए इस्तीफा दे दिया है। ऋषि सनक के अलावा स्वास्थ्य सचिव साजिद जाविद ने भी इस्तीफा दे दिया है। सनक ने अपने पत्र में कहा कि वह 'सरकार छोड़ने से दुखी' थे, लेकिन इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि 'हम इस तरह से जारी नहीं रख सकते'। ऋषि सनक ने अपने त्याग पत्र में कहा, 'जनता सही ढंग से उम्मीद करती है कि सरकार सही ढंग से, सक्षम और गंभीरता से संचालित होगी। मैं मानता हूं कि यह मेरा आखिरी मंत्री पद हो सकता है, लेकिन मेरा मानना है कि ये मानक लड़ने लायक हैं और इसलिए मैं इस्तीफा दे रहा हूं।'

कदाचार से दबाव का सामना कर रहे ब्रिटेन के प्रधानमंत्री

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन को उस समय नए दबाव का सामना करना पड़ा जब एक पूर्व नौकरशाह ने हाल में निलंबित किए गए कंजर्वेटिव पार्टी के एक सांसद के कदाचार के आरोपों से डाउनिंग स्ट्रीट के निपटने के तौर तरीकों को लेकर बात की। ब्रिटेन के विदेश कार्यालय में 2015 और 2020 के बीच स्थायी सचिव रहे लॉर्ड साइमन मैकडॉनल्ड ने संसद के मानक आयुक्त को पत्र लिखकर कहा कि डाउनिंग स्ट्रीट ने क्रिस पिंचर के बारे में गलत दावे किए जिन्होंने पिछले हफ्ते कंजर्वेटिव पार्टी के उप-मुख्य सचेतक के पद से इस्तीफा दे दिया था और नशे में दुर्व्यवहार करने की बात स्वीकार की थी।

लेफ्टिनेंट जनरल मोहन सुब्रमण्यम संयुक्त राष्ट्र के नए सैन्य कमांडर, शैलेश तिनाइकर की जगह लेंगे

संयुक्त राष्ट्र। (एजेंसी)।

संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने भारतीय सेना के लेफ्टिनेंट जनरल मोहन सुब्रमण्यम को दक्षिण सूडान में संयुक्त राष्ट्र मिशन (यूएनएमआईएसएस) का अपना नया 'फोर्स कमांडर' नियुक्त किया है। वह भारतीय सेना से ही नाता रखने वाले लेफ्टिनेंट जनरल शैलेश तिनाइकर की जगह लेंगे। एजेंसी से मंगलवार को जारी एक बयान में कहा गया, '' यूएनएमआईएसएस फोर्स कमांडर के रूप में उनके (तिनाइकर के) अथक समर्पण, अमूल्य सेवा और प्रभावी नेतृत्व के लिए महासचिव उनके आभारी हैं।'' लेफ्टिनेंट जनरल शैलेश तिनाइकर को गुतारेस ने मई 2019 में यूएनएमआईएसएस का 'फोर्स कमांडर' नियुक्त किया था।

लेफ्टिनेंट जनरल सुब्रमण्यम ने 36 वर्ष तक भारतीय सेना में सेवाएं दीं। हाल ही में, उन्होंने मध्य भारत में मिलिट्री रीज़न

(ऑपरेशनल एंड लॉजिस्टिक रेडीनेस ज़ोन) के जनरल ऑफिसर कमांडिंग के रूप में अपनी सेवाएं दीं। इससे पहले, उन्होंने 2019 से 2021 तक रक्षा मंत्रालय (सेना) के एकीकृत मुख्यालय में खरीद एवं उपकरण प्रबंधन के लिए अतिरिक्त महानिदेशक और 2018 से 2019 तक 'स्ट्राइक इन्फैंट्री डिवीज़न' में डिप्टी जनरल ऑफिसर कमांडिंग के रूप में कार्य किया। 2015 से 2016 तक 'इन्फैंट्री डिवीज़न' के डिप्टी जनरल ऑफिसर कमांडिंग और 2013 से 2014 तक 'माउंटेन ब्रिगेड' के कमांडर के रूप में भी उन्होंने अपनी सेवाएं दीं। उन्होंने 2008 से 2012 के बीच वियतनाम, लाओस और कंबोडिया में भारत के रक्षा प्रभारी के रूप में और 2000 में सिएरा लियोन में संयुक्त राष्ट्र मिशन के साथ एक 'स्टाफ ऑफिसर' के रूप में कार्य किया था।

लेफ्टिनेंट जनरल सुब्रमण्यम के पास रक्षा एवं प्रबंधन अध्ययन और सामाजिक विज्ञान में 'मास्टर ऑफ फिलॉसफी' की डिग्री है। गौरतलब है कि भारत, संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन में सबसे अधिक योगदान देने वाले देशों में से एक है। दक्षिण सूडान में संयुक्त राष्ट्र मिशन में नवंबर 2021 तक 17,982 कर्मी तैनात थे। भारत, यूएनएमआईएसएस में दूसरा सबसे बड़ा सैन्य-योगदान करने वाला देश है। मिशन में 2385 शांतिरक्षकों के साथ भारत दूसरे स्थान पर है। सबसे अधिक शांतिरक्षक रवांडा के हैं। भारत के वर्तमान में यूएनएमआईएसएस में 30 पुलिस कर्मी तैनात हैं।

किसान परिवार में जन्में थे 14वें दलाई लामा, जानिए तिब्बती धर्मगुरु के बारे में रोचक बातें

वॉशिंगटन। (एजेंसी)।

दुनिया आज दलाई लामा का 87वां जन्मदिन मना रही है।14वें दलाई लामा तेंजिन ग्यात्सो का जन्म 6 जुलाई, 1935 को पूर्वी तिब्बत में हुआ था। चीन सरकार की दमनकारी नीतियों के चलते उन्हें तिब्बत छोड़ना पड़ा था और 31 मार्च, 1959 को वह चीन से भागकर भारत आ गए थे। तब से दलाई लामा हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले में स्थित मैक्लोडगंज में रहकर तिब्बत की संप्रभुता के लिए अहिंसात्मक संघर्ष कर रहे हैं। दुनिया भर में घूमने वाले तिब्बती आध्यात्मिक नेता, तिब्बती निर्वासन आंदोलन का वैश्विक चेहरा उनकी प्रेम और करुणा में उनके विश्वास और भारत के प्रति उनके लगाव के लिए जाने जाते हैं।बता दें कि तिब्बती आध्यात्मिक गुरु दलाई लामा के जन्मदिन के अवसर पर स्कूली छात्रों और विदेशी समर्थकों सहित सैकड़ों तिब्बती मुख्य बौद्ध मंदिर, त्सुगलगखांग में एकत्रित हुए। इस अवसर पर हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

जानकारी के लिए बता दें कि अपने पूरे जीवन में दलाई लामा ने शांति, सद्भाव और अहिंसा के प्रतीक के रूप में दुनिया के राजनीतिक, धार्मिक और सामाजिक नेताओं के बीच प्रमुखता हासिल की है।इसके अलावा वह चीन के अलोकतांत्रिक, धर्म-विरोधी और मानव-विरोधी रवैये और चीनी प्रशासन के तहत तिब्बतियों की अनकही पीड़ाओं को उजागर करने में भी सफल रहे हैं।चीन ने हमेशा तिब्बत के मामलों में दखल दिया है और लोगों को उनकी साधना करने से रोकने की कोशिश की है। दलाई लामा ने तिब्बती स्वतंत्रता आंदोलन के लिए व्यापक अंतरराष्ट्रीय समर्थन हासिल किया है।

14वें दलाई लामा के बारे में कुछ अज्ञात और रोचक बातें

1) 14वें दलाई लामा अपने सभी पूर्ववर्तियों में सबसे लंबे समय तक शासन करने वाले और सबसे लंबे समय तक जीवित रहने वाले हैं

2) दलाई लामा के कुछ दिलचस्प शौक पुरानी घड़ियों की मरम्मत करना है। उन्हें विज्ञान में गहरी रुचि के लिए जाना जाता है।

3) रिपोर्टों के अनुसार, 14वें दलाई लामा छह साल की उम्र में साधु बन गए।

4) जब दलाई लामा युवा थे, तो ऑस्ट्रियाई पर्वतारोही और खोजकर्ता हेनरिक हैरर के साथ उनकी घनिष्ठ मित्रता हो गई, जिनकी पुस्तक 'सेवन इयर्स इन तिब्बत' इसी दोस्ती से प्रेरित है।

5) दिलचस्प बात यह है कि 14वें दलाई लामा का परिवार तिब्बत से होने के बावजूद तिब्बती भाषा नहीं बोलता था। उन्होंने चीनी बोली जो चीन के पश्चिमी प्रांतों में मौजूद थी।

6) -दलाई लामा रोज सुबह 3 बजे उठते हैं और सुबह 5 बजे तक ध्यान करते हैं।

भारत-इंग्लैंड पहला टी20 आज

साउथप्टन (एजेंसी)।

रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय टीम गुरुवार से यहां मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज में जीत से शुरुआत करने उतरेगी। भारतीय टीम का लक्ष्य इस सीरीज को जीतकर एजबेस्टन टेस्ट की हार से उबरना भी रहेगा। रोहित कोरोना संक्रमण के कारण टेस्ट मैच में नहीं खेले थे , उनकी जगह जसप्रीत बुमराह ने टेस्ट टीम की कप्तानी की थी। ऐसे में अब उनका लक्ष्य जीत से वापसी रहेगा। सीरीज का पहला मुकाबला यहां रोस बाउल स्टेडियम में होगा।

भारतीय टीम के बल्लेबाज और गेंदबाज एजबेस्टन टेस्ट में उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये थे। ऐसे में अब अगर भारतीय टीम को टी20 सीरीज जीतनी है तो उसके खिलाड़ियों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। तेज गेंदबाज बुमराह और अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली को पहले टी20 मैच के लिए आराम दिया गया है। अब ईशान किशन या ऋतुराज गायकवाड़ में से किसी एक को रोहित के साथ पारी की शुरुआत का अवसर मिलेगा। बल्लेबाज संजू सैमसन भी टी20 टीम में शामिल हैं। दिनेश कार्तिक इस मैच में विकेटकीपिंग करेंगे क्योंकि ऋषभ पंत को भी इस मैच के लिए आराम दिया गया है। युवा उमरान मलिक, अर्शदीप सिंह, आवेश खान, हर्षल पटेल को इस मैच में जगह मिल सकती है।

वहीं दूसरी ओर टेस्ट मैच में जीत से इंग्लैंड के हौंसले बुलंद हैं और वह इस सीलसिले को बरकरार रखना चाहेगी। टीम को बल्लेबाजों और गेंदबाजों के लय में होने का भी लाभ मिलेगा।

पहले टी20 के लिए भारतीय टीम: रोहित शर्मा (कप्तान), ईशान किशन, ऋतुराज गायकवाड़, संजू सैमसन, सूर्यकुमार यादव, दीपक हुड्डा, राहुल त्रिपाठी, दिनेश कार्तिक (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या, वेंकटेश अय्यर, युजवेंद्र चहल, अक्षर पटेल, रवि बिश्नोई , भुवनेश्वर कुमार, हर्षल पटेल, आवेश खान, अर्शदीप सिंह और उमरान मलिक ।

मलेशिया मास्टर्स : सिंधू, प्रणीत और कश्यप दूसरे दौर में पहुंचे

कुआलालंपुर (एजेंसी)।

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू ने बुधवार को यहां मलेशिया मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट के पहले दौर के कड़े मुकाबले में चीन की ही बिंग जियाओ को हराकर महिला एकल के दूसरे दौर में प्रवेश किया।

सातवीं वरीय सिंधू ने लगभग एक घंटा चले मुकाबले में बिंग जियाओ को 21-13 17-21 21-15 से हराया। इस जीत के साथ दुनिया की सातवें नंबर की खिलाड़ी सिंधू ने पिछले महीने इंडोनेशिया ओपन सुपर 1000 टूर्नामेंट के पहले दौर में बिंग जियाओ के खिलाफ पहले दौर में सीधे गेम में मिली हार का बदला चुकता कर दिया। चीन की खिलाड़ी का हालांकि अब भी सिंधू के खिलाफ जीत-हार का रिकॉर्ड 10-9 है।

पुरुष एकल में बी साई प्रणीत और पारूपल्ली कश्यप भी विपरीत अंदाज में जीत दर्ज करने दूसरे दौर में जगह बनोन में सफल रहे। प्रणीत ने एकतरफा मुकाबले में आधे घंटे से कम समय में गुआटेमाला के केविन कोर्डन को 21-8 21-9 से हराया जबकि कश्यप ने एक गेम से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए स्थानीय दावेदार टॉमी सुगियार्तो को 16-21 21-16 21-16 से शिकस्त दी। समीर वर्मा को हालांकि कड़े मुकाबले में चीनी ताइपे के चौथे वरीय चाउ टिएन चेन के खिलाफ 21-10 12-21 14-21 से हार झेलनी पड़ी।

वेस्टइंडीज के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में धवन करेंगे भारतीय टीम की कप्तानी

मुबई (एजेंसी)।

सलामी बल्लेबाज शिखर धवन की कप्तानी में भारतीय क्रिकेट टीम वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी तीन मैचों की एकदिवसय श्रृंखला में उतरेगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयन समिति ने 22 जुलाई से वेस्टइंडीज के खिलाफ शुरु हो रही तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला के लिए 16 सदस्यीय भारतीय टीम घोषणा कर दी है। इस श्रृंखला के लिए रवीन्द्र जडेजा को उपकप्तान बनाया गया है।

चयनकर्ताओं ने वेस्टइंडीज के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में बड़े खिलाड़ियों को आराम देते हुए युवा खिलाड़ियों का अवसर दिया है। विराट कोहली, रोहित शर्मा, लोकेश राहुल, जसप्रीत बुमराह और ऋषभ पंत वेस्टइंडीज के खिलाफ टीम में नहीं रहेंगे। इस टीम में स्पिन गेंदबाज के तौर पर युजवेंद्र चहल, अक्षर पटेल को रखा गया है। तेज गेंदबाजी की कमान अवेश खान, मोहम्मद

सिराज और अर्शदीप सिंह के पास रहेगी। तीन मैचों की एकदिवसीय क्रीस पार्क ओवल में खेली जाएगी।

एकदिवसीय सीरीज के लिए भारतीय टीम इस प्रकार हैं:

शिखर धवन (कप्तान), रवींद्र जडेजा (उपकप्तान), रुतुराज गायकवाड़, शुभमन गिल, दीपक हुड्डा, सूर्यकुमार यादव, श्रेयस अय्यर, ईशान किशन (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), शार्दुल ठाकुर, युजवेंद्र चहल, अक्षर पटेल, अवेश खान, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज और अर्शदीप सिंह।

तीसरे एकदिवसीय को जीतकर सीरीज 3-0 से अपने नाम करने उतरेगी भारतीय महिला क्रिकेट टीम

पालेकल (एजेंसी)।

पहले दोनो मैचों में जीत से उत्साहित भारतीय महिला क्रिकेट टीम गुरुवार को यहां होने वाले तीसरे और अंतिम एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मुकाबले को भी जीतकर सीरीज को 3-0 से अपने नाम करने उतरेगी।

भारतीय टीम ने इससे पहले टी20 श्रृंखला भी 2-1 से जीती थी। भारतीय टीम ने जिस प्रकार दूसरे एकदिवसीय में दस विकेट से जीत हासिल की है। उसको देखते हुए वह तीसरे मुकाबले में भी जीत की प्रबल दावेदार मानी जा रही है। दूसरे मैच में भारतीय टीम ने गेंदबाजी और बल्लेबाजी दोनो में मेजबान श्रीलंकाई टीम को कोई अवसर नहीं दिया था।

भारतीय टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर अभी शानदार फार्म में हैं। दूसरे मैच में स्मृति मंधाना ने भी लय हासिल कर ली है। शेफाली वर्मा भी फार्म में आ गयी हैं। मंधाना और शेफाली ने दूसरे एकदिवसीय में नाबाद शतकीय साझेदारी कर भारतीय टीम को जीत दिलायी थी।

वहीं टीम की कप्तानी संभालने के बाद हरमनप्रीत का प्रदर्शन बेहतर हुआ है। जिससे टीम को जीत दर्ज करने में आसानी हुई है। भारत की ओर से दूसरे एकदिवसीय में युवा तेज गेंदबाज रेणुका सिंह ने शानदार प्रदर्शन कर श्रीलंकाई टीम को कोई अवसर नहीं दिया था। रेणुका ने 28 रन देकर चार विकेट लिए थे।

रेणुका के प्रदर्शन का भारतीय टीम की जीत में अहम योगदान रहा। वहीं दूसरी ओर मेजबान श्रीलंकाई टीम इस मैच में जीत के साथ ही सीरीज का समापन करना चाहेगी हालांकि यह इतना आसान नहीं है। कप्तानी चामरी अटापट्टू के अलावा अन्य खिलाड़ी अब तक अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पायी हैं। जहां तक गेंदबाजी की बात है तो टीम के पास इनोका रणवीरा और ओशादी रणसिंघे जैसे स्पिनर हैं। ये दोनो ही इस मैच में भारतीय बल्लेबाजों पर अंकुश लगाने के इरादे से उतरेंगे।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

भारत: हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा, यस्तिका भाटिया, एस मेघना, दीप्ति शर्मा, पूनम यादव, राजेश्वरी गायकवाड़, सिमरन बहादुर, ऋचा घोष, पूजा वस्त्रकार, मेघना सिंह, रेणुका सिंह, तानिया भाटिया और हरलीन देओल।

श्रीलंका: चामरी अटापट्टू (कप्तान), निलाक्षी डी सिल्वा, कविशा दिलहारी, विशमी गुणरत्ने, अमा कंचना, हंसिमा करुणारत्ने, अचिनी कुलसुरिया, सुगंधिका कुमारी, हर्षिता समरविक्रम, हसिनी परेरा, उदेशिका प्रबोधनी, ओशादी रणसिंघे, इनोका रणवीरा, सत्य संदीपनी, अनुष्का संजीवनी, मालशा शेहानी, थारिका सेवंडी।

जोकोविच और तात्याना विम्बलडन के सेमीफाइनल में पहूंचे

लंदन । सर्बियाई टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच विम्बलडन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंच गये हैं। जोकोविच ने पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में यानिक सिनर के खिलाफ पहले दो सेट हारने के बाद शानदार वापसी करते हुए 5-7, 2-6, 6-3, 6-2, 6-2 से जीत दर्ज कर अंतिम चार में जगह बनायी है। इसी के साथ ही शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी जोकोविच अपने 7वें विम्बलडन खिताब की ओर बढ़े हैं। 20 ग्रैंड स्लैम खिताब विजेता इस सर्बियाई खिलाड़ी ने इस तरह ऑल इंग्लैंड क्लब में लगातार 26वीं जीत दर्ज की है। इस स्थल पर पांच सेट के अपने 11 मुकाबलों में उन्होंने 10 में जीत दर्ज की है। इससे पहले जोकोविच का साल 2006 में हार का सामना करना पड़ा था। जोकोविच की यह विम्बलडन में 84वीं जीत है, इसी के साथ ही उन्होंने दिग्गज खिलाड़ी जिमी कोनर्स के रिकॉर्ड की भी बराबरी की है। अब केवल रोजर फेडरर ही जोकोविच से आगे हैं।

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में विराट शीर्ष दस से बाहर हुए , ऋषभ ने लगायी लंबी छलांग

दुबई । भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली को पहली बार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष-10 में जगह नहीं मिली है। आईसीसी की ताजा रैंकिंग में कोहली चार पायदान फिसल कर 714 रेटिंग के साथ 13वें स्थान पर आ गए हैं। विराट इससे पहले 2,053 दिनों तक लगातार शीर्ष दस में बने रहे थे। विराट पिछले दो साल से खराब फार्म से परेशान हैं। इस दौरान वह एक भी शतक नहीं लगा पाये हैं। इस बल्लेबाज ने इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें टेस्ट की दो पारियों में कुल मिलाकर केवल 31 रन ही बनाये थे।

वहीं एजबेस्टन टेस्ट में शानदार बल्लेबाजी का लाभ भारतीय टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को मिला है। ऋषभ ने इस मैच में 146 और 57 रन बनाये थे। इससे उन्होंने रैंकिंग में बड़ी छलांग लगाई है और वह पांच पायदान ऊपर आकर 801 रेटिंग अंकों के साथ ही पांचवें स्थान पर आ गए हैं। दूसरी ओर कोरोना संक्रमण के कारण पांचवें टेस्ट से बाहर रहे भारतीय टीम के नियमित कप्तान रोहित शर्मा को एक स्थान का नुकसान हुआ है और वह नौवें स्थान पर आ गए हैं। इंग्लैंड के जॉनी बेयरस्टो को मैच की दोनो पारियों में शतक लगाने का लाभ हुआ है और वह 11 पायदान की छलांग लगाकर 10 वें स्थान पर पहुंच गये हैं जबकि पूर्व कप्तान जो रुट 923 रैंकिंग के साथ शीर्ष टेस्ट बल्लेबाज बने हुए हैं। रुट ने एजबेस्टन टेस्ट में शतक लगाया था।

विकेटकीपर के रूप में ऋषभ पंत का सुधार एमएस धोनी की तरह उल्लेखनीय है : मांजरेकर

नई दिल्ली (एजेंसी)।

पूर्व भारतीय बल्लेबाज और कमेंटेटर संजय मांजरेकर ने विकेटकीपर के रूप में ऋषभ पंत में सुधार के लिए उनकी सराहना की। मांजरेकर को लगता है कि 24 वर्षीय स्टंप के पीछे ज्यादा बात नहीं करते और काम को गंभीरता से लिया है। उन्होंने बर्मिंघम के एजबेस्टन में इंग्लैंड के खिलाफ भारत के टेस्ट मैच के बाद अपने बल्लेबाजी प्रदर्शन के लिए पंत की प्रशंसा की।

यह पूछे जाने पर कि क्या बल्लेबाज पंत ने प्रभावित किया है? मांजरेकर ने कहा, इसमें कोई संदेह नहीं है। उन्होंने खुद को एक संभावित महान के रूप में स्थापित किया है जिसे हम देख रहे हैं। पांच शतक और घर पर सिर्फ एक और घर से दूर अविश्वसनीय है। लेकिन मैं सिर्फ उनकी कीपिंग के बारे में बात करना चाहता हूं, उनकी बल्लेबाजी के बारे में बहुत कुछ बोला गया है। पूर्व क्रिकेटर ने कहा, मुझे बस इतना पसंद है कि उसने उस (विकेटकीपिंग) काम को कितनी गंभीरता से लिया है। क्योंकि, बल्ले से अच्छा प्रदर्शन करने के बाद आप कभी-कभी आराम कर सकते हैं। मैं एक विकेटकीपर के रूप में उनकी क्षमता को लेकर थोड़ा संशय में था, खासकर इस तरह की परिस्थितियों में। भारत के लिए बड़ी खबर पंत विकेटकीपर का विकास है।

उन्होंने कहा, आप उसे स्टंप के आसपास ज्यादा बकबक करते नहीं देखते। उन्होंने काम को बहुत गंभीरता से लिया है, और धोनी की तरह ही उनका सुधार भी उल्लेखनीय रहा है। एक कीपर के रूप में उन्होंने कैसे सुधार किया। मुझे उनकी प्रतिबद्धता पसंद आई क्योंकि आप एक बल्लेबाज के रूप में इतने सफल होते हुए भी इस काम को थोड़ा आसान कर सकते हैं। यह आश्चर्यजनक रूप से शानदार है।

ऋषभ पंत इंग्लैंड के खिलाफ पुनर्निर्धारित पांचवें टेस्ट मैच में शीर्ष प्रदर्शन करने वालों में से एक थे उन्होंने

दो पारियों में शानदार बल्लेबाजी की। पहली पारी में शतक और दूसरी पारी में अर्धशतक बनाते हुए कुल 203 रन बनाए। हालांकि इंग्लैंड ने 378 के लक्ष्य का पीछा करते हुए जॉनी बेयरस्टो और जो रूट की शतकीय पारियों की बदौलत जीत दर्ज करते हुए सीरीज 2-2 से बराबर की।

मोईन अली की क्रिकेट में वापसी, तीन साल के करार पर वारविकशायर टीम में लौटे

लंदन (एजेंसी)।

इंग्लैंड के हरफनमौला खिलाड़ी मोईन अली ने बुधवार को पुष्टि की है कि वह तीन साल के करार पर वारविकशायर की होम काउंटी लौटने के लिए वॉर्सेस्टरशायर छोड़ रहे हैं। मोईन ने कहा, मैं इतने लंबे समय के बाद वोरस्टरशायर छोड़ने के लिए दुखी हूं और इसके हर मिनट से प्यार करता हूं। मैंने कुछ अद्भुत लोगों के साथ खेला है और मुझे वापस लाने के लिए क्लब का बहुत-बहुत धन्यवाद है। यहां और मुझे प्रदर्शन करने के लिए मंच दे रहे हैं। वारविकशायर में शामिल होने पर मोईन ने कहा, मैं एजबेस्टन में घर लौटने के लिए खुश हूं। मैं स्टेडियम से कुछ ही मील दूर पैदा हुआ था, मेरा जीवन हमेशा बर्मिंघम के आसपास केंद्रित था। जब खुद को अवसर प्रस्तुत किया तो यह एक निर्णय था। मैं मना नहीं कर सका और मेरा मानना है कि बियर्स में मेरा काम अधूरा है।

ओन्स जेब्युर ने विंबलडन में भी रचा इतिहास, ऐसा करने वाली पहली महिला खिलाड़ी बनी

विंबलडन। अपने नाम के आगे 'पहली बार' कई कारनामे करने की उपलब्धि दर्ज कराने वाली ट्यूनीशिया की ओन्स जेब्युर विंबलडन के अंतिम चार में जगह बनाकर किसी ग्रैंडस्लैम टेनिस टूर्नामेंट में सेमीफाइनल में पहुंचने वाली अरब देशों की पहली महिला खिलाड़ी बन गई हैं। पिछले साल विंबलडन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली ट्यूनीशिया की तीसरी वरीय खिलाड़ी ने मंगलवार को एक कदम आगे बढ़ते हुए सेंटर कोर्ट पर मैरी बोजकोवा को 3-6, 6-1, 6-1 हराया। दुनिया की दूसरे नंबर की खिलाड़ी जेब्युर ने कहा, 'यह काफी मायने रखता है। मैं लंबे समय से उम्मीद कर रही थी कि मैं यहां पहुंच पाऊंगी। मैं (मोरक्को के पूर्व खिलाड़ी) हिचाम अराजी से बात करती थी और वह मुझे कहते थे कि अरब देशों के खिलाड़ी हमेशा क्वार्टर फाइनल में हार जाते हैं और हम इससे आजिज आ चुके हैं। कृपया करके इस क्रम को तोड़ो। मैंने कहा कि मित्र मैं ऐसा करने का प्रयास करूंगी।' जेब्युर ने प्रयास किया और वह ऐसा करने में सफल रहीं। सेमीफाइनल में जेब्युर का सामना उनकी तरह ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहली बार जगह बनाने वाली जर्मनी की तात्याना मारिया से होगा। जर्मनी की 34 साल की खिलाड़ी ने अपने बच्चों के जन्म के कारण दो बार टेनिस से ब्रेक लिया और ओपन युग में पहली बार किसी ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट के अंतिम चार में जगह बनाने वाली सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बनी। मारिया ने 35वीं बार किसी ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट में हिस्सा लेते हुए 22 साल की ज्यूल नीमियर को 4-6, 6-2, 7-5 से हराया।

सिटी ऑफ गेहोन शतरंज - भारत के गुकेश इतिहास रचने के करीब

बार्सिलोना , स्पेन। शतरंज ओलंपियाड शुरू होने के पहले भारत के लिए अच्छी खबर आ रही है । भारत के 16 वर्षीय ग्रांड मास्टर डी गुकेश अपने खेल जीवन का एक नया मुकाम हासिल करने के बेहद करीब पहुँच गए है । स्पेन में सिटी ऑफ गेहोन टूर्नामेंट में 10 खिलाड़ियों के बीच चल रहे राउंड रॉबिन मुकाबलों में लगातार पाँच मुकाबले जीतकर ना सिर्फ एकल बढ़त बना ली है बल्कि 2700 रेटिंग पार करने के करीब पहुँच गए है , गुकेश ने अब तक मुकाबले में स्पेन के अलेक्स औटोन ,ब्राज़ील के अलेक्ज़ेंडर फेयर , क्यूबा की यानीला फोरगस , अर्जेन्टीना के मार्केलो पानेलो और स्पेन के फर्नांडेज अलवारेज को पराजित करते हुए अपनी लाइव रेटिंग को 2693 पहुंचा दिया है और अब बचे हुए चार मुकाबलों में जीत हासिल करते हुए गुकेश शतरंज दुनिया में 2700 अंक छूने वाले सबसे कम उम्र के भारतीय और दुनिया के दूसरे सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन जाएँगे , भारत में अब तक विश्वनाथन आनंद , कृष्णन शशिकिरण ,पेंटाला हरीकृष्णा , विदित गुजराती और अधिबन भास्करन नें 2700 के आंकड़े को पार किया है ।

महिला हॉकी विश्व कप: न्यूजीलैंड को हराकर सीधे क्वार्टर फाइनल में प्रवेश करना चाहेगा भारत

एसटेलवीन (एजेंसी)।

अब तक उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन करने में नाकाम रही भारतीय महिला हॉकी टीम को अगर एफआईएच विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में सीधे प्रवेश करना है तो गुरुवार को यहां न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने अंतिम पूल बी मैच में हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी। पिछले साल तोक्यो ओलंपिक में शानदार प्रदर्शन करते हुए एतिहासिक चौथा स्थान हासिल करने वाली भारतीय महिला हॉकी टीम ने अपने पहले दो मैचों में तोक्यो खेलों के कांस्य पदक विजेता इंग्लैंड और चीन से 1-1 से ड्रॉ खेला।

सविता की अगुआई वाली भारतीय टीम अभी दो अंक के साथ पूल बी में तीसरे स्थान पर है। चीन और न्यूजीलैंड उससे ऊपर हैं। न्यूजीलैंड ने मंगलवार को इंग्लैंड को 3-1 से हराया। टूर्नामेंट के प्रारूप के अनुसार 16 टीम को चार-चार टीम के चार पूल में बांटा गया है। प्रत्येक पूल की शीर्ष टीम सीधे क्वार्टर फाइनल में जगह बनाएंगी जबकि दूसरे और तीसरे स्थान पर रहने वाली टीम के बीच क्रॉसओवर होगा।

क्रॉसओवर में पूल ए में दूसरे स्थान पर रहने वाली टीम पूल डी में तीसरे स्थान पर रहने वाली टीम से भिड़ेगी जबकि पूल ए में तीसरे स्थान पर रहने वाली टीम की भिड़ंत पूल डी में दूसरे स्थान पर रहने वाली टीम से होगी। इसी तरह पूल बी में दूसरे स्थान पर रहने वाली टीम का सामना पूल सी में तीसरे स्थान पर रहने वाली टीम से होगा जबकि पूल बी में तीसरे स्थान पर रहने वाली टीम पूल सी में दूसरे स्थान पर रहने वाली टीम से खेलेगी। इन चारों मुकाबले के विजेता क्वार्टर फाइनल में जगह बनाएंगे।

पूल बी में शीर्ष पर रहने के लिए भारत को न्यूजीलैंड को हराना होगा और साथ ही उम्मीद करनी होगी कि इंग्लैंड के खिलाफ चीन की टीम जीत दर्ज नहीं कर पाए। पहले दो मैच में अगर भारत के प्रदर्शन को आधार माना जाए जो टीम के लिए न्यूजीलैंड को हराना आसान नहीं होगा। भारतीय डिफेंस ने दोनों मैच में प्रभावित किया। पहले मैच में तो इंग्लैंड की टीम एक भी पेनल्टी कॉर्नर हासिल नहीं कर पाई लेकिन दोनों ही मुकाबलों में अग्रिम पंक्ति और मिडफील्ड ने निराश किया।

भारत के लिए दोनों गोल करने वाली वंदना कटारिया के अलावा कोई अन्य स्ट्राइकर अब तक उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाई है। लालरेमसियामी, शर्मिला देवी और नवनीत कौर ने निराश किया है। भारत ने मौके तो बनाए हैं लेकिन उन्हें गोल में बदलने में टीम नाकाम रही है। मिडफील्ड को भी अपने प्रदर्शन में सुधार करना होगा। मुख्य कोच यानेक शॉपमैन के लिए पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलने में नाकामी भी बड़ी समस्या है। दो मैच में भारतीय टीम 12 पेनल्टी कॉर्नर पर दो गोल ही कर सकी है और दोनों गोल वंदना ने रिबाउंड और डिफलेक्शन से किए।

ड्रैगफ्लिकर गुरजीत कौर को अपने कौशल को निखारने की जरूरत है और अगर भारत को टूर्नामेंट में आगे बढ़ना है तो

पेनल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील करने के प्रतिशत में सुधार करना होगा। रैंकिंग पर नजर डालें तो दोनों टीम के बीच अधिक अंतर नजर नहीं आता। न्यूजीलैंड दुनिया की आठवें जबकि भारत नौवें नंबर की टीम है। इंग्लैंड के खिलाफ जीत के बाद न्यूजीलैंड की टीम हालांकि आत्मविश्वास से भरी होगी। गुरुवार को इन दोनों टीम से पहले चीन और इंग्लैंड के बीच मुकाबला होगा जिससे इन्हें पता रहेगा कि सीधे क्वालीफाई करने के लिए उन्हें क्या करना है।

राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू के सिक्किम आगमन को लेकर उच्चस्तरीय बैठक सम्पन्न

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 06 जुलाई । आगामी 18 जुलाई को होने जा रहे राष्ट्रपति चुनाव की एनडीए प्रत्याशी द्रौपदी मुर्मू के सिकिक्म आगमन के मद्देनजर मुख्यमंत्री पीएस गोले की अध्यक्षता में मिंतोकगांग में एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। ज्ञात हो कि एनडीए का घटक होने के नाते एसकेएम पार्टी भी द्रौपदी मुर्मू को अपना समर्थन दे रहा है।

बफुंग विधायक तथा राष्ट्रपति चुनाव के लिए एनडीए के समन्वयक टीटी भूटिया ने यहां एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि बैठक में सिक्किम सरकार के संसदीय मामला विभाग के मंत्री कुंगा निमा लेख्चा, भारतीय जनता पार्टी के सिक्किम प्रदेश अध्यक्ष डीबी चौहान, विधायक टीटी भूटिया मुख्यमंत्री के राजनैतिक सचिव जैकब खालिंग उपस्थित रहे।

बैठक में मुख्यमंत्री श्री गोले ने कहा कि एसकेएम और भाजपा के विधायक श्रीमती मुर्मू के पक्ष में मतदान कर उन्हें जीत दिलाएं। आज की बैठक में नौ जुलाई को श्रीमती मुर्मू के सिक्किम आगमन को देखते हुए विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। वे नौ जुलाई को आकर उसी दिन वापस हो जाएंगी। हालांकि एक ही दिन में सड़क मार्ग से आकर लौटना संभव नहीं रहने और मौसम के कारण आकाश मार्ग से भी उनका आगमन सुनिश्चित नहीं रहने को देखते हुए सभी विधायकों के बागडोगरा हवाईअड्डे पर ही जाकर उनसे मुलाकात करने का निर्णय लिया गया।

बैठक में तय किया गया कि मुख्यमंत्री पीएस गोले, विधानसभा अध्यक्ष एलबी दास, संसदीय मामला विभाग के मन्त्री कुंगा निमा लेप्चा, भाजपा सिक्किम प्रदेश कमिटी के अध्यक्ष डीबी चौहान, चुनाव के समन्वयक टीटी भूटिया और अन्य बागडोगरा हवाइअड्डा पर सिक्किम की सांस्कृतिक टोलियों के साथ श्रीमती मुर्मु का स्वागत करेंगे। इसके बाद एसकेएम और भाजपा के सभी विधायकों के साथ सिलीगुड़ी के एक होटल में उनके साथ एक बैठक की जाएगी।

टीकाकरण को लेकर जिला टास्क फोर्स की बैठक सम्पन्न

अनुगामिनी नि.सं.

मंगन, 06 जुलाई । मंगन जिले के लिए जिला टास्क फोर्स टीकाकरण (डीटीएफआई) की बैठक आज पेंटोक में जिला कलेक्टर मंगन के कक्ष में आयोजित की गई। स्वास्थ्य देखभाल, मानव सेवा एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा आयोजित बैठक की अध्यक्षता डीसी मंगन, डॉ एबी कार्की ने सीएमओ मंगन और संबंधित विभागों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में की।

डीआरसीएचओ, डॉ. तारा गौतम ने बैठक में सभी का स्वागत किया और जनसांख्यिकी, कोविड टीकाकरण, टीकाकरण कवरेज पर विभिन्न पहलुओं और विवरणों को शामिल करते हुए जिला टास्क फोर्स टीकाकरण पर एक पावर ख्वाइंट प्रेजेंटेशन दिया। उन्होंने पात्र लाभार्थियों के लिए घर-घर जाकर टीकाकरण अभियान 'हर घर दस्तक' पर संक्षिप्त रिपोर्ट भी दी।

डीसी मंगन, डॉ एबी कार्की ने अपने संक्षिप्त संबोधन में टीकाकरण कार्य और जनसांख्यिकी के बारे में जानकारी ली। उन्होंने टास्क फोर्स को इस प्रक्रिया में आसानी के लिए अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं को टीकाकरण की तारीखें देने की सलाह दी। बैठक में कुछ मुद्दों पर भी विस्तार से चर्चा हुई, जिन पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है, जिसमें प्रतिक्रिया और समाधान भी सुझाए गए थे।

राजभवन में सीपीआर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 06 जुलाई । सिक्किम के राजभवन परिसर में आज न्यू एसटीएनएम अस्पताल के हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ पाल्डेन और उनकी सह टोली एवं मेदांता अस्पताल, पटना के वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ अजय सिन्हा (जो ऑनलाइन माध्यम से जुड़े थे) द्वारा सीपीआर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के अंतर्गत आईटीबीपी, एनडीआरएफ के जवान तथा राजभवन के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बुनयादी जीवन बचाओ प्रक्रिया से अवगत कराया गया एवं एक-एक करके प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही विभिन्न दुविधाओं को भी दूर किया गया। इस दौरान आटोमेटेड एक्सटर्नल डेफीब्रिलेटर (एईडी), जो कि एक आटोमेटिक शॉक देने की मशीन है, के उपयोग विधि को सिखाया गया।

डॉ पाल्डेन ने इस बात पर प्रकाश डाला कि सीपीआर जीवन बचाने की एक ऐसी प्रक्रिया है जिसे हर एक नागरिक का सीखना आवश्यक है। जब किसी के जीवन बचाने की बात आती है और इसमें विलम्ब न हो इसलिए अधिक से अधिक जागरुगता फैलाने की जरूरत है। जब भी किसी व्यक्ति को अस्पताल के बाहर हृदयाघात होता है, तो 10 में से 1 ही बच पाता है और यदि डाक्टरी उपचार से पहले ही जरूरतमंद को समय पर ही सीपीआर मिल जाता है तो 10 में से 4 व्यक्तियों की जान बच सकती है। इस दौरान राजभवन के अधिकारी, कर्मचारी, डा. संदीप चंद्र प्रधान, डॉ. विरेंद्र डॉ पुस्कर, नर्सिंग एवं मेडिसीन अधिकारी छिमी, कार्डियक टेक्नोलॉजिस्ट पेमा और रुबेन उपस्थित रहे। आज के कार्यक्रम में राज्यपाल महोदय ने मानव कल्याण हेतु शहर के कई इलाकों में एईडी यंत्र प्रदान करने की घोषणा की।

ऑल्ट न्यूज के जुबैर को कस्टडी में लेगी यूपी पुलिस, टीम दिल्ली रवाना

सीतापुर, 06 जुलाई (एजेन्सी)। ऑल्ट न्यूज के सह संस्थापक मोहम्मद जुबैर को अपनी कस्टडी में लेने के लिए सीतापुर पुलिस दिल्ली रवाना हो गई है। जुबैर को सीतापुर लाया जाना है। बुधवार की देर रात या गुरुवार को उसके सीतापुर लाए जाने की उम्मीद है हालांकि पुलिस ने अभी इसका खुलासा नहीं किया है कि उसे कहां रखा जाएगा।

सीतापुर की अदालत से रिमांड मिलने के बाद यहां की पुलिस सक्रिय हो गई। सीओ सिटी की निगरानी में एक टीम बनाई गई है जो पूरे मामले पर निगरानी रख रही है। पुलिस अधिकारियों का मानना है कि खैराबाद थाने में एफआईआर संख्या 0226 में 295-ए और आईएटी एक्ट की धारा 67 के तहत मामला दर्ज है।

यह रिपोर्ट राष्ट्रीय हिन्दू शेर सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष भगवान शरण ने 27 मई 2022 को दर्ज कराई थी। उसमें संतों का अपमान करने और धार्मिक भावनाएं भड़काने व हत्या के लिए उकसाने जैसे आरोप लगाए गए थे। उसी कड़ी में जुबैर को पुलिस तलाश रही थी। इस समय वह तिहाड़ जेल में है।

अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी एनपी सिंह के मुताबिक उसके रिमांड के लिए कोशिश की जा रही थी अदालत ने अर्जी स्वीकार कर ली है। अब उसे दिल्ली से लाने के लिए पुलिस टीम भेजी गई है। उसके आने के बाद सभी मामलों में गहन पूछताछ होगी। पुलिस के साइबर सेल और तकनीक

विशेषज्ञों की टीम विस्तृत जांच करेगी। पूछताछ में एक्ट के उल्लंघन की बारीकी से पड़ताल होगी। एक दो दिनों में पुलिस उसे लेकर सीतापुर आएगी। उधर अदालत की कागजी औपचारिकताएं और जेल मैनुअल के तहत कागजी औपचारिकताएं पूरी करने के साथ दिल्ली पुलिस से भी जरूरी दस्तावेजों पर जानकारी लेकर उसे लाया जाएगा।

कई जिलाधिकारियों पर लटकी तलवार, सीएम योगी ने दिया कड़ी कार्रवाई का निर्देश

लखनऊ, 06 जुलाई (एजेन्सी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कुछ जिलों में जिलाधिकारियों द्वारा कोरोना वारियर्स के परिजनों को अनुमन्य राहत सहायता न दिए जाने पर सख्त नाराज़गी जताई है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए हैं कि ऐसे जिले में जहां परिजनों के आवेदन लंबित हैं, उनके जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए।

मुख्यमंत्री बुधवार को टीम-9 की बैठक में कोरोना की स्थिति की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कोविड संक्रमण के कारण असमय काल-कवलित हुए कोरोना वॉरियर्स के परिजनों के लिए अनुमन्य राहत सहायता संबंधी आवेदनों की जनपदवार समीक्षा की।

इसके साथ ही निर्देश दिए कि मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा इसकी निरंतर समीक्षा की जाए। उन्होंने सख्त नाराज़गी जताते हुए कहा कि जिस भी जिले में आवेदन लंबित पाए जाएंगे, जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी। यह संवेदनशील विषय है। ऐसे प्रकरणों को मानवता के आधार पर प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि व्यवस्था की उदासीनता और अवस्थापना सुविधाओं के अभाव में प्रदेश में स्वास्थ्य विभाग के 40 से अधिक पैरामेडिकल प्रशिक्षण केंद्र वर्ष 1989 से बंद थे। युवाओं की जरूरत को देखते हुए सभी जरूरी अवस्थापना सुविधाओं को उपलब्ध कराने के साथ राज्य सरकार इनका दोबारा संचालन शुरू करा रही है।

15 जुलाई से 9 नर्सिंग स्कूल शुरू होने जा रहे हैं, जबकि अगस्त में 35 एएनएम ट्रेनिंग सेंटरों का संचालन प्रारंभ हो जाएगा। सीएम ने कहा कि नर्सिंग / पैरामेडिकल के क्षेत्र में अच्छा कॅरियर है। हर संस्थान में मानकों का कड़ाई से अनुपालन कराया जाए। फैकल्टी पर्याप्त हो, अच्छी हो।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेशवासियों की प्रतिबद्धता का परिणाम है कि इस वर्ष 'वृक्षारोपण जन आन्दोलन' के प्रथम दिन 25 करोड़ वृक्षारोपण का लक्ष्य पूर्ण हो गया। बुधवार को दूसरे दिन अब तक ढाई करोड़ पौधे लगाए जा चुके हैं। इस पुनीत कार्य में सहभागी सभी लोगों को हार्दिक बधाई! इन पौधों की सुरक्षा करना भी हमारी ही जिम्मेदारी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश पर प्रकृति और परमात्मा की असीम कृपा रही है। तमाम वनस्पतियों में औषधीय गुण होते हैं। जैसे आंवला तो पूर्णत: औषधि है, जामुन की गुठली तक उपयोगी होती है। अजवाइन उदर विकार के निदान में सहायक है। सभी में कुछ न कुछ गुण हैं।

पौधारोपण करते समय ऐसी वनस्पतियों का रोपण किया जाना चाहिए। औषधीय वनस्पतियों के संरक्षण, इनके उत्पाद से औषधि तैयार करने, ब्रांडिंग, पैकेजिंग और मार्केटिंग के लिए ठोस प्रयास किया जाए। स्थानीय जनता को इससे जोड़ा जाए। आयुर्वेदिक औषधि निर्माता संस्थाओं का सहयोग भी लिया जा सकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के बदले औद्योगिक माहौल को देखते हुए बड़ी संख्या में देश-दुनिया के उद्यमी उत्तर प्रदेश में निवेश कर रहे हैं।

उद्योग जगत की जरूरतों के मुताबिक नई औद्योगिक नीति, नई इलेक्ट्रॉनिक व्हीकल नीति और बेहतर वेयरहाउसिंग एंड लॉजिस्टिक नीति तैयार की जाए। जरूरत पड़ने पर उन्हें संशोधित कर नवीन नीतियों को तैयार किया जाए। ऐसा करते समय उद्योग जगत के प्रतिनिधियों से भी परामर्श करना चाहिए।

राहुल गांधी बयान मामला: कांग्रेस ने ब्रॉडकास्टिंग अथॉरिटी को लिखी चिट्ठी, चैनल और एंकर के खिलाफ कार्रवाई की मांग

नई दिल्ली, 06 जुलाई (एजेन्सी)। कांग्रेस ने अपने पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के एक बयान को कथित तौर पर गलत तरीके से उदयपुर की घटना से जोड़कर पेश किए जाने को लेकर बुधवार को न्यूज ब्रॉडकास्टिंग एंड डिजिटल स्टैंडर्ड अथॉरिटी से संबंधित चैनल और एंकर के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। कांग्रेस ने दावा किया है कि चैनल ने अपनी गलती को स्वीकार भी किया है।

कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने इस संस्था के अध्यक्ष को लिखे पत्र में कहा है कि सिर्फ 'जी न्यूज' और उसके एंकर ने राहुल गांधी के बयान से जुड़े क्लिप को विकृत और दुर्भावनापूर्ण तरीके से पेश किया, जबकि किसी अन्य समाचार एजेंसी और चैनल ने ऐसा नहीं किया। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि चैनल ने अपनी गलती स्वीकार करके यह माना है कि उसने केबल टेलीविजन नेटवर्क अधिनियम, 1995 के प्रावधानों और प्रसारण मानक संहिता का उल्लंघन किया है।

उन्होंने कहा, 'मैं कांग्रेस पार्टी की तरफ से आग्रह करता हूं कि समाचार चैनल और एंकर के खिलाफ जल्द से जल्द उचित कार्रवाई की जाए। कांग्रेस का कहना है कि राहुल गांधी के संसदीय क्षेत्र वायनाड स्थित उनके कार्यालय पर एसएफआई के कार्यकर्ताओं की ओर से कथित तौर पर किए गए हमले के संदर्भ में उसके पूर्व अध्यक्ष ने एक टिप्पणी की, जिसे एक चैनल ने उदयपुर की घटना से जोड़कर पेश कर दिया। बाद में चैनल और उसके एंकर अपनी गलती के लिए माफी मांगी।'

राहुल गांधी की एक क्लिप चलाने को लेकर जी न्यूज के एंकर रोहित रंजन के खिलाफ राजस्थान और छत्तीसगढ़ में केस दर्ज किया गया था। 5 जुलाई को पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार भी कर लिया था। यह मामला उस समय तुल पकड़ लिया जब चैनल पर चलाए गए वीडियो क्लिप को बीजेपी सांसद राज्यवर्धन राठौर, सुब्रत पाठक और अन्य ने सोशल मीडिया पर शेयर कर दिया। इन नेताओं के खिलाफ भी केस दर्ज किया गया है।

कांग्रेस पार्टी की ओर से कहा गया है कि राहुल गांधी के जिस बयान को उदयपुर में कन्हैया लाल की हत्या से जोड़कर दिखाया गया है दरअसल, वो वायनाड में पार्टी कार्यालय की तोड़फोड़ का जिक्र कर रही थीं। उनके बयान का उदयपुर से कोई लेना देना नहीं था। हाल ही में राहुल गांधी के वायनाड ऑफिस में तोड़फोड़ की घटना सामने आई थी। जिसके बाद राहुल गांधी वायनाड पहुंचे थे और लोगों से बात भी की थी।

मार्च 2023 तक पूरा हो जाएगा 6 लेन सुरंग का निर्माण : गडकरी

नई दिल्ली, 06 जुलाई (एजेन्सी)। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को कहा कि 926 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से बनाई जा रही पुणे-सतारा राजमार्ग पर छह लेन की सुरंग के मार्च 2023 तक पूरा होने की उम्मीद है। परिवहन मंत्रालय के एक बयान के अनुसार, मंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग-4 पर खंभातकी घाट पर नई सुरंग तीन लेन वाली एक जुड़वां सुरंग है। इसमें कहा गया है कि सतारा-पुणे दिशा में मौजूदा 'एस' वक्र को जल्द ही पूरा किया जाएगा जिससे दुर्घटना जोखिम में भारी कमी आएगी। 6.43 किलोमीटर लंबी परियोजना के लिए कुल पूंजीगत लागत लगभग 926 करोड़ रुपये है और इसके मार्च 2023 तक पूरा होने की उम्मीद है।

गडकरी ने कहा कि खंभातकी घाट के माध्यम से पुणे-सतारा और सतारा-पुणे खंड में औसत यात्रा का समय क्रमश: 45 मिनट और 10-15 मिनट है। इस सुरंग के पूरा हो जाने से औसत यात्रा समय घटकर 5-10 मिनट रह जाएगा। गडकरी ने कहा कि सुरंग कनेक्टिविटी बढ़ाने जा रही है और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि

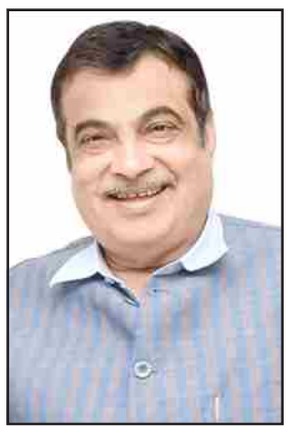

समय के साथ यात्रियों को उनके मूल्य और लागत बचत के माध्यम से प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा।

मोदी कैबिनेट से आरसीपी सिंह का इस्तीफा, 7 जुलाई को सांसदी का आखिरी दिन

नई दिल्ली, 06 जुलाई (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मंत्रिमंडल में जेडीयू के इकलौते मंत्री आरसीपी सिंह ने केंद्रीय कैबिनेट से बुधवार को इस्तीफा दे दिया। समाचार एजेंसी पीटीआई ने सूत्रों के हवाले से यह खबर जारी की है। आरसीपी के नाम से मशहूर जेडीयू नेता और स्टील मंत्री रामचंद्र प्रसाद सिंह का राज्यसभा कार्यकाल 7 जुलाई को पूरा हो रहा है। गुरुवार से सांसद न रह पाने के कारण आरसीपी सिंह को कैबिनेट से इस्तीफा देना पड़ा है। बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने आरसीपी सिंह को तीसरी बार राज्यसभा भेजने से मना कर दिया था और उनकी जगह पर इस बार झारखंड के जेडीयू अध्यक्ष खीरू महतो को संसद भेजा है।

केंद्रीय मंत्रिमंडल में आरसीपी के मंत्री बने रहने के लिए संसद के किसी ना किसी सदन का सदस्य होना जरूरी था। आरसीपी सिंह को जब नीतीश कुमार ने तीसरी बार राज्यसभा नहीं भेजा तो उसके बाद आरसीपी ने मीडिया से कहा था कि वो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलेंगे और उनका जो आदेश होगा, उसका पालन करेंगे। इस हफ्ते आरसीपी सिंह के बीजेपी ज्वाइन करने की भी अफवाह उड़ी थी जिसका पार्टी ने खंडन कर दिया है।

आरसीपी सिंह के साथ-साथ

अल्पसंख्यक मामलों के कैबिनेट मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने भी इस्तीफा दिया है जिनके उपराष्ट्रपति या किसी राज्य का राज्यपाल या केंद्र शासित प्रदेश का उपराज्यपाल बनने की अटकलें हैं।

सीबीआई ने किरू जलविद्युत परियोजना अनुबंध घोटाले के सिलसिले में की छापेमारी

नई दिल्ली, 06 जुलाई (एजेन्सी)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) जम्मू में 2200 करोड़ रुपये की किरू जलविद्युत परियोजनाओं में पाई गई अनियमितताओं के संबंध में श्रीनगर, जम्मू, दिल्ली, मुंबई और पटना सहित पांच अलग-अलग शहरों में 16 स्थानों पर तलाशी अभियान चला रही है।

सीबीआई के एक सूत्र ने कहा कि श्रीनगर में दो स्थानों, दिल्ली में पांच, मुंबई में तीन, पटना में एक और जम्मू में पांच स्थानों पर आरोपियों के सहयोगियों, बिचौलियों और मामले में शामिल अन्य लोगों के ठिकानों पर तलाशी ली जा रही है।

सूत्र ने कहा कि 20 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पूर्व उपराज्यपाल सत्यपाल मलिक के अनुरोध पर कई अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। इन अधिकारियों में नवीन कुमार चौधरी, आईएएस, तत्कालीन अध्यक्ष, सीवीपीपीपीएल के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। इसके अलावा एम. एस. बाबू, तत्कालीन एमडी, सीवीपीपीपीएल; एम. के. मित्तल, तत्कालीन निदेशक, सीवीपीपीपीएल; अरुण कुमार मिश्रा, तत्कालीन निदेशक, सीवीपीपीपीएल और पटेल इंजीनियरिंग लिमिटेड के खिलाफ भी प्राथमिकी दर्ज की गई है। यह आरोप लगाया गया है कि उन्होंने पूर्व एलजी को भी रिश्वत देने की कोशिश की थी।

सीबीआई सूत्र ने कहा, '2019 में किरू हाइड्रो इलेक्ट्रिक पावर प्रोजेक्ट (एचईपी) के सिविल कार्यों के 2200 करोड़ रुपये के अनुबंध को एक निजी कंपनी को देने में कदाचार के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। किरू जलविद्युत परियोजना को लेकर ई-निविदा के संबंध में दिशा-निर्देशों का पालन भी नहीं किया गया था।

इससे पहले 21 अप्रैल को सीवीपीपीपीएल के तत्कालीन चेयरमैन, तत्कालीन एमडी और तत्कालीन निदेशकों सहित कई आरोपियों के परिसरों पर भी छापेमारी की गई थी।

जांच के दौरान, इन बिचौलियों और लोक सेवकों के बीच तत्कालीन अध्यक्ष वित्तीय लेनदेन सहित बिचौलियों की कथित भूमिका का खुलासा करने वाले सबूत मिले और तदनुसार, बुधवार को 16 स्थानों पर तलाशी ली जा रही है।

स्पाइसजेट को डीजीसीए का कारण बताओ नोटिस

नई दिल्ली, 06 जुलाई (एजेन्सी)। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने पिछले 18 दिनों में तकनीकी खामी की आठ घटनाओं के बाद बुधवार को स्पाइसजेट को कारण बताओ नोटिस जारी किया।

डीजीसीए ने कहा, स्पाइसजेट एयरलाइन विमान नियम 1937 की 11वीं अनुसूची और नियम 134 की शतरें के तहत सुरक्षित, दक्ष और विसनीय हवाई सेवाओं को सुनिश्चित करने में नाकाम रही है।

नोटिस में कहा गया है, घटनाओं की समीक्षा से पता चलता है कि आंतरिक सुरक्षा निरीक्षण खराब है और रखरखाव को लेकर पर्याप्त कदम नहीं (चूंकि ज्यादातर घटनाएं कलपुर्जों या प्रणाली के काम न करने से संबंधित हैं) उठाए जाने से सुरक्षा में कमी आई है।

डीजीसीए ने स्पाइसजेट को नोटिस पर जवाब देने के लिए तीन सप्ताह का समय दिया है।

नोटिस के अनुसार, डीजीसीए द्वारा सितम्बर 2021 में किए गए वित्तीय आकलन से यह भी पता चला है कि एयरलाइन द्वारा संरक्षा संबंधी आपूर्तिकर्ताओं द्वारा स्वीकृत विक्रेताओं को नियमित आधार पर भुगतान नहीं किया जा रहा है जिससे कलपुर्जों की कमी हो रही है और विमान के संचालन के लिए आवश्यक एमईएल (न्यूनतम उपकरण सूची) की बार-बार मांग की जा रही है।

भारतीय विमानन उद्योग के लिए मंगलवार का दिन भारी रहा। इस दिन तीन प्रमुख एयरलाइनों के तीन विमानों में तकनीकी खराबी के कारण मामलों को डीजीसीए के समक्ष जांच के लिए लाया गया है।

स्पाइसजेट के अलावा विस्तारा और इंडिगो एयरलाइन में भी तकनीकी खराबी की खबर है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक : सत्येन्द्र नाथ सिंह एवं मुद्रक: नूतन वर्मा द्वारा प्राइम प्रिंटर्स, प्रिमुला कॉटेज, चर्च रोड, गंगटोक से मुद्रित एवं रतना निवास, मेट्टो प्वाइंट, नेशनल हाईवे 10, गंगटोक (पूर्व सिक्किम) से प्रकाशित।
सम्पादक - सत्येन्द्र नाथ सिंह, कार्यकारी सम्पादक - अश्विनी आनंद, मोबाइल नं. : 9474355832, 9609024017, फोन नं. : 03592-204174, पोस्टल रजि. सं. : WB/SKM/110/07-09, e-mail ID : anugamini@gmail.com